RNI No: UPHIN/2023/86769
www.swarajindianews.com
swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews
मूल्य: 02
सच्चाई के दम पर जोश के साथ...
संध्याकालीन समाचार पत्र
स्वराज इंडिया
कानपुर, सोमवार, 29 दिसंबर, 2025
वर्ष : 03, अंक 3, पृष्ठ : 8+4

अयोध्या आधुनिक नगर प्रशासन के संतुलन का जीवंत उदाहरण Pg04

इनसाइड गार्ड हत्याकांड में मचा बवाल पांच घंटे बाद शांत हुआ हंगामा Pg06

सुप्रीम कोर्ट का कुलदीप सेंगर पर बड़ा फैसला, सजा निलंबन पर रोक

दिल्ली हाई कोर्ट ने दिया था सजा निलंबन का फैसला, आरोपी पूर्व विधायक सेंगर को नोटिस जारी

मुख्य संवाददाता/स्वराज इंडिया

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने उन्नाव रेप केस के दोषी और पूर्व बीजेपी विधायक कुलदीप सिंह सेंगर की सजा निलंबित करने के दिल्ली हाई कोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी है। सीजेआई की अध्यक्षता वाली तीन जजों की बेंच ने हाई कोर्ट के आदेश को गंभीर चिंता का विषय बताते हुए सेंगर को नोटिस जारी किया। सीजेआई ने कहा कि किसी भी बड़े पद पर बैठे व्यक्ति से ज्यादा जवाबदेही अपेक्षित होती है। अगर साधारण लोक सेवक अग्रेवेटेड अपराध के दायरे में आ सकता है तो विधायक को अलग क्यों माना जाए यही सवाल अदालत ने उठाया।

दिल्ली हाई कोर्ट ने हाल ही में सेंगर की उम्रकैद की सजा को सस्पेंड करते हुए उसकी जमानत का रास्ता खोल दिया था। इसके खिलाफ सीबीआई ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की और कहा कि यह फैसला कानून के खिलाफ, गलत और समाज के लिए खतरनाक है।

सीबीआई ने तर्क दिया कि हाई कोर्ट ने पॉक्सो ऐक्ट के उद्देश्य को नजरअंदाज कर दिया और यह नहीं समझा कि सेंगर एक निर्वाचित प्रतिनिधि थे, जिन पर जनता के विश्वास की विशेष जिम्मेदारी थी। सुनवाई के दौरान पीड़िता सुप्रीम कोर्ट में मौजूद रही। उधर, हाईकोर्ट के फैसले के विरोध में देश भर में आवाज उठी। दिल्ली के जंतर-मंतर पर ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन और ऑल इंडिया प्रोग्रेसिव विमेंस एसोसिएशन ने जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि ऐसे दोषियों को किसी भी तरह की राहत नहीं मिलनी चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसे आदेश न्याय व्यवस्था पर सवाल खड़े करते हैं और पीड़िताओं का मनोबल तोड़ते हैं।

पूरा मामला कैसे पहुंचा यहां तक

- उन्नाव की नाबालिग पीड़िता ने 2017 में सेंगर पर रेप का आरोप लगाया था। पहले पुलिस ने एफआईआर तक दर्ज नहीं की। 2018 में पीड़िता ने मुख्यमंत्री आवास के बाहर आत्मदाह की कोशिश की, तब मामला सीबीआई को सौंपा गया। 2019 में दिल्ली की निचली अदालत ने सेंगर को उम्रकैद की सजा सुनाई। इसके बाद हाई कोर्ट ने सजा सस्पेंड कर दी, लेकिन अब सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के बाद मामला फिर निर्णायक मोड़ पर है। वहीं पीड़िता के पिता की हिरासत में मौत मामले में सेंगर पहले से ही 10 साल की सजा काट रहा है।

आईआईटी कानपुर के छात्र ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

- कमरे से मिला सॉरी एवरीवन लिखा सुसाइड नोट, हाथ की नस काटने के भी मिले निशान

प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

कानपुर। आईआईटी कानपुर में सोमवार को एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। राजस्थान के अजमेर निवासी 26 वर्षीय जय सिंह मीणा ने हॉस्टल के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उनका शव हॉस्टल नंबर 2 के कमरे नंबर 148 में फंदे से लटका मिला। सूचना पर पहुंची कल्याणपुर पुलिस ने कमरा तोड़कर शव को नीचे उतारा और कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

पुलिस के मुताबिक कमरे से एक सुसाइड नोट बरामद हुआ है, जिसमें केवल 'सॉरी एवरीवन' लिखा हुआ है। शुरुआती जांच में यह भी सामने आया है कि युवक ने फांसी लगाने से पहले हाथ की नस काटने की कोशिश की थी, कलाई पर कई गहरे घाव मिले हैं। मृतक छात्र के बड़े भाई सिद्धार्थ को सूचना दी गई, परिवार के कानपुर पहुंचने के बाद पोस्टमार्टम कराया जाएगा। बताया जा रहा है कि आईआईटी में 28 दिसंबर से विंटर वेकेशन चल रही है और छात्र जल्द घर जाने वाला था। सोमवार को जब काफी देर तक कमरे का दरवाजा नहीं खुला तो साथियों ने प्रबंधन को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। संस्थान प्रशासन ने घटना पर दुख जताया है।

केंद्र की सिफारिशों पर भी रोक, नई हाईलेवल समिति गठित करने का प्रस्ताव

अरावली पर सुप्रीम कोर्ट की सख्ती नई परिभाषा पर लगी फिलहाल रोक

मुख्य संवाददाता/ स्वराज इंडिया

21 जनवरी 2026 को अगली सुनवाई, पर्यावरणीय चिंताओं पर होगा गहन अध्ययन

20 नवंबर के आदेश को फिलहाल स्थगित कर दिया है

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को अरावली पहाडियों की नई परिभाषा संबंधी 20 नवंबर के अपने आदेश को फिलहाल स्थगित कर दिया है। तीन जजों की पीठ ने कहा कि इस मामले में कई ऐसे महत्वपूर्ण मुद्दे हैं, जिनकी और गहन जांच आवश्यक है। अदालत ने अरावली की परिभाषा तय करने के लिए पूर्व में बनी सभी समितियों की सिफारिशों का मूल्यांकन करने हेतु उच्चस्तरीय नई समिति गठित करने का प्रस्ताव रखा है। अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी को समिति की संरचना और आगे की प्रक्रिया में सहयोग देने के लिए कहा गया है। अब इस मामले की अगली सुनवाई 21 जनवरी 2026 को होगी।

खनन और निर्माण का खतरा बढने की आशंका

- सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले में अरावली को केवल ऊंचाई के आधार पर परिभाषित करने पर तीखा विरोध शुरू हो गया था। निर्णय के अनुसार 100 मीटर से कम ऊंचाई वाले भू-भाग को अरावली का हिस्सा नहीं माना जाता, जिससे कई क्षेत्रों में खनन और निर्माण का रास्ता खुलने का खतरा बताया गया। पर्यावरणविदों का कहना है कि इससे अरावली की संवेदनशील पहाडियों, झाड़ियों से ढके क्षेत्रों और पारिस्थितिकी तंत्र पर गंभीर असर पड़ेगा। वहीं केंद्र सरकार का तर्क है कि नई परिभाषा नियमों को और मजबूत व एकरूप बनाने के लिए थी। अदालत के ताजा रुख के बाद अरावली संरक्षण की मांग करने वाले संगठन आंदोलन जारी रखने की बात कह रहे हैं।

बुजुर्गों का खून-पसीना लूट रहा फर्जी बैंकिंग गिरोह

» शिकायतें दर्ज, फिर भी कार्रवाई नहीं; चौकी व प्रशासन पर गंभीर सवाल

हाइवे किनारे अवैध गुमटी में मनी ट्रांसफर का खेल, बैंक का बैनर बना हथियार

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। जैनपुर चौकी क्षेत्र के नबीपुर हाईवे किनारे लोहे की गुमटी में बैंक ऑफ बड़ौदा का बड़ा बैनर लगाकर कथित रूप से फर्जी मनी ट्रांसफर और कैश निकासी का खेल खुलेआम चल रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि यहां बैठी एक युवती खासकर बुजुर्गों को निशाना बनाकर पैसे निकालने के नाम पर रकम ले लेती है, लेकिन कई मामलों में कैश नहीं दिया जाता। जब लोग विरोध करते हैं तो झगड़ा, दबाव और मुकदमे की धमकी देकर उन्हें चुप करा दिया जाता है। बैंक के नाम और बैनर के दुरुपयोग से ग्रामीण इसे अधिकृत सेवा समझ बैठते हैं और फिर ठगी का शिकार हो जाते हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि आरोपित युवती पहले बैंक ऑफ बड़ौदा माती और बाद में बारा जोड़ शाखा से जुड़ी बताई जाती थी, लेकिन शिकायतों के बाद उसकी फ्रेंचाइजी रद्द कर दी गई। इसके बावजूद पिछले चार साल से ज्यादा समय से हाईवे किनारे यह अवैध गुमटी लगी है,

जहां बिजली कनेक्शन से लेकर कैश लेनदेन तक सब बिना अनुमति के संचालित हो रहा है। बुजुर्गों, अनपढ़ों और जरूरतमंदों का यहां सबसे ज्यादा शोषण हो रहा है। ग्रामीणों ने कई बार जैनपुर चौकी में शिकायतें दीं, लेकिन स्थायी कार्रवाई नहीं होने से सवाल उठ रहे हैं कि आखिर यह गतिविधि किसके संरक्षण में चल रही है।

स्थानीय लोग पूछ रहे हैं कि बैंक के नाम पर ठगी करना अपराध नहीं तो क्या है? अवैध गुमटी, अवैध बैंकिंग गतिविधि और बुजुर्गों से ठगी पर अब तक कार्रवाई क्यों नहीं हुई? इस मामले पर बैंक प्रबंधन की ओर से एलडीएम अग्रणी जिला प्रबंधक राकेश कुमार ने कहा कि मामला संज्ञान में आया है।

संबंधित बैंक अधिकारियों को जानकारी दे दी गई है। जो युवती वहां बैठती है उसका नाम निशा बेगम बताया जा रहा है। शिकायतों के चलते बैंक से उसे काफी पहले हटाया जा चुका है। बैंक का बैनर लगाकर किया जा रहा काम पूरी तरह अवैध है, जिसे जल्द हटवाकर उचित कार्रवाई कराई जाएगी।

पेट्रोल पंप कर्मी का नग्न शव मिलने से मचा हड़कंप

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर। युवक का शव मिलने से हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी मिलते ही संबंधित थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल में जुट गई।

कानपुर के निराला नगर स्थित रेलवे ग्राउंड में सोमवार सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब वहां एक युवक का शव पड़ा मिला। सुबह टहलने निकले लोगों ने शव देखकर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने क्षेत्र को घेराबंदी कर जांच शुरू की।

शव के पास युवक के कपड़े, पेट्रोलियम कंपनी की जैकेट और चप्पल पड़ी हुई थीं। वहीं कुछ दूरी पर एक बाइक भी खड़ी मिली, जिसके नंबर के आधार पर युवक की पहचान की गई। पुलिस की प्रारंभिक जांच में मृतक की पहचान संजय नगर बस्ती निवासी 32 वर्षीय राहुल अवस्थी के रूप में हुई। परिजनों को सूचना दिए जाने के बाद वे भी घटनास्थल पर पहुंचे।

परिजनों ने बताया कि राहुल रमईपुर स्थित एचपी पेट्रोल पंप पर काम करता था। वह रविवार रात घर नहीं लौटा था, जिसके बाद से परिवार को उसकी चिंता हो रही थी। सोमवार सुबह इस दुखद घटना की जानकारी मिली। राहुल की शादी तीन वर्ष पूर्व हुई थी। उसकी पत्नी नौरैया खेड़ा स्थित एक फैक्ट्री में कार्यरत है। दंपति के कोई बच्चे नहीं हैं। घटना की गंभीरता को देखते हुए मौके पर डीसीपी साउथ दीपेंद्र नाथ चौधरी, एडीसीपी साउथ योगेश कुमार सहित गोविंद नगर थाने का पुलिस बल पहुंचा। इसके अलावा फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वायड को भी बुलाया गया, जिन्होंने साक्ष्य एकत्र किए।

पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। शव की स्थिति और घटनास्थल पर मिले तथ्यों के आधार पर हत्या की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि राहुल आखिरी बार किसके संपर्क में था। मामले की गहन जांच जारी है।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम कोरारी, पोस्ट मंगाटा, थाना गजनेर, तहसील अकबरपुर, जिला कानपुर देहात निवासी आदर्श सिंह पुत्र प्रदीप सिंह का आधार कार्ड संख्या 9880 3863 6722 में नाम भूपेन्द्र सिंह पुत्र प्रदीप सिंह अंकित है, जबकि शपथकर्ता के समस्त शैक्षिक अभिलेखों में नाम आदर्श सिंह दर्ज है।

शपथकर्ता द्वारा यह स्पष्ट किया गया है कि उनका वास्तविक एवं प्रचलित नाम आदर्श सिंह है तथा भविष्य में उन्हें आदर्श सिंह के नाम से ही जाना एवं पहचाना जाए।

सुरार भूमि घोटाला उजागर

लेखपाल की रिपोर्ट ने खोली कब्जे की पोल

आईजीआरएस की रिपोर्ट में लेखपाल ने लिखा वीर बहादुर यादव ने कर रखा था कब्जा

» प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

कानपुर। कल्याणपुर ब्लॉक के अंतर्गत ग्राम पंचायत सुरार में सरकारी ऊसर भूमि पर अवैध कब्जे और प्लॉटिंग के विवाद में अब बड़ा खुलासा सामने आया है। जिस प्रकरण में पूर्व से ही भूमाफियाओं पर आरोप लग रहे थे, अब उसी मामले में सरकारी रिकॉर्ड ने भी कब्जे की पुष्टि कर दी है। इसके बावजूद कार्रवाई न होने से राजस्व विभाग पर सवाल खड़े हो गए हैं।ग्राम प्रधान पंकज यादव ने राजस्व विभाग को शिकायत देकर आराजी संख्या 607, 608, 610 और 613 में दर्ज ऊसर भूमि पर वीर बहादुर यादव और महेंद्र यादव द्वारा कब्जा कर अवैध प्लाटिंग करने की बात उठाई थी। साथ ही क्षेत्रीय लेखपाल अनिल कुमार पर भारी रिश्वत लेकर भूमाफियाओं के पक्ष में गलत रिपोर्ट तैयार करने का आरोप लगाया गया था।

अब आईजीआरएस में लगाए गए जवाब में खुद क्षेत्रीय लेखपाल अनिल कुमार ने यह स्वीकार किया है कि आराजी संख्या 607 और 610 के कुछ हिस्से में वीर बहादुर यादव ने सीमेंटेड बाउंड्री बनाकर कब्जा किया था, जिसे बाद में खाली कराया गया। यह रिपोर्ट स्पष्ट करती है कि कब्जा हुआ था अर्थात् आरोप बेबुनियाद नहीं थे।लेकिन बड़ा सवाल यह है कि जब कब्जे की पुष्टि हो चुकी और सरकारी भूमि पर अतिक्रमण सिद्ध हो गया, तो फिर भूमि अतिक्रमण अधिनियम के तहत मुकदमा क्यों दर्ज नहीं कराया गया? आखिर किस दबाव या स्वार्थ के चलते कार्रवाई को रोका गया? इससे साफ संदेह गहराता है कि राजस्व कर्मियों की मिलीभगत के बिना इतना बड़ा खेल संभव नहीं था। ग्रामीणों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने अब लेखपाल पर कड़ी कार्रवाई, जांच और आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग तेज कर दी है। लोग पूछ रहे हैं जब अपराध उजागर है, तो मुकदमे से परहेज क्यों?

स्वराज इंडिया
कानपुर सिटी
बड़ा सवालः सुरार के भू-माफिया को सलाखों के पीछे भेजने से कौन बचा रहा?

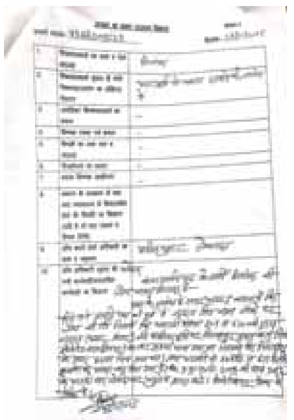

अवैध प्लाटिंग कर्ता वीर बहादुर यादव

वरिष्ठ पत्रकार विष्णु त्रिपाठी का निधन

पत्रकारिता जगत को अपूर्णीय क्षति

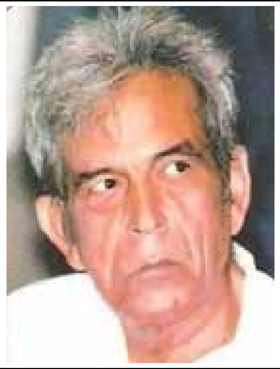

» प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

कानपुर। तेवरदार और जीवट वाली पत्रकारिता के अजातशत्रु, पत्रकारों के पुरोधा, प्रख्यात लेखक और संपादक विष्णु त्रिपाठी का कानपुर के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। वह पिछले कई दिनों से जीवन और मृत्यु के बीच संघर्ष कर रहे थे। उनके निधन से न केवल कानपुर, बल्कि प्रदेश और देश की पत्रकारिता तथा सामाजिक सक्रियता को गहरा आघात पहुंचा है।

विष्णु त्रिपाठी ने अपने लंबे पत्रकारिता जीवन में सत्ता, व्यवस्था और अन्याय के खिलाफ निर्भीक लेखनी चलाई। उन्होंने पत्रकारिता को न तो समझौते की वस्तु बनने दिया और न ही अपने जीवन को परिस्थितियों के आगे झुकने दिया।

उन्होंने हमेशा अपनी शर्तों पर पत्रकारिता की और उसी स्वाभिमान के साथ जीवन जिया।उनके मार्गदर्शन में पत्रकारिता की बारीकियां सीखने वाले असंख्य शिष्य आज विभिन्न समाचार माध्यमों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उनके निधन की खबर से उनके शिष्यों, सहयोगियों और चाहने वालों में शोक की लहर है।उनके छोटे पुत्र शांतनु चैतन्य स्वयं वरिष्ठ पत्रकार हैं।

श्याम भक्ति में डूबे श्रद्धालु, धूमधाम से हुआ श्री श्याम महोत्सव

अखंड ज्योति प्रज्वलित, छप्पन भोग अर्पित भजन संध्या में गूंजे श्याम नाम के जयकारे

» प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

कानपुर। श्री श्याम बिहारी कृपा महिला मंडल द्वारा आयोजित श्री श्याम महोत्सव का आयोजन रविवार को नाना राव पार्क में भक्ति, उल्लास और भावनाओं के साथ संपन्न हुआ। पूरे दिन श्याम प्रभु के भजनों की मधुर धुनों पर कानपुर श्याममय बना रहा और भक्तों की बड़ी संख्या ने शामिल होकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

महोत्सव की शुरुआत अखंड ज्योति प्रज्वलन के साथ हुई। इसके बाद छप्पन भोग अर्पित कर श्याम बाबा की भव्य आराधना की गई। प्रसिद्ध भजन गायक रेश्मी शर्मा (समस्तीपुर) और सौरभ शर्मा ने मेरे बाबा इतना बता दे मैं जाऊं कहां तेरे सिवा मेरा कोई नही जैसे भावपूर्ण भजनों से भक्तों को भक्ति सागर में डूबो दिया। भक्ति के स्वर जब गूंजे तो वातावरण 'श्याम नाम' के जयकारों से गुंजायमान हो उठा।कार्यक्रम संयोजक नीरज ओमर ने बताया कि महोत्सव के दौरान विशाल रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया, जिसमें श्याम प्रेमियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और मानव सेवा का संदेश दिया। भक्तिभाव, श्रद्धा, संगीत और सेवा के संगम से सजे इस महोत्सव ने कानपुर में श्याम भक्ति की अद्भुत छाप छोड़ी।

अयोध्या आधुनिक नगर प्रशासन के संतुलन का जीवंत उदाहरण

कानपुर की महापौर प्रमिला पांडेय से स्वराज इंडिया ने किया संवाद

समीर शाही

अयोध्या। रामनगरी अयोध्या में आयोजित पहले महापौर सम्मेलन ने शहरी विकास को आध्यात्मिक चेतना से जोड़ते हुए राष्ट्रीय विमर्श को नई दिशा दी। इसी ऐतिहासिक अवसर पर कानपुर की महापौर प्रमिला पांडेय ने रामलला के दर्शन, अयोध्या के विकास मॉडल और सांस्कृतिक पुनर्जागरण पर अपने विचार रखे।

से हुई इस विशेष बातचीत में उन्होंने बताया कि कैसे अयोध्या आज आध्यात्मिक विरासत और आधुनिक नगर प्रशासन के संतुलन का जीवंत उदाहरण बनकर उभर रही है।

प्रश्न- अयोध्या में पहली बार हुए महापौर सम्मेलन को आप किस दृष्टि से देखती हैं?

प्रमिला पांडेय– अयोध्या केवल एक नगर नहीं, चेतना है। यहां महापौर सम्मेलन का होना अपने आप में संकेत है कि भारत का शहरी विकास अब अपनी सांस्कृतिक आत्मा से जुड़ रहा है। रामनगरी से उठी विकास की यह चर्चा देशभर के नगरों को दिशा देगी।

प्रश्न-रामलला के दर्शन का आपका अनुभव कैसा रहा?

प्रमिला पांडेय– यह शब्दों से परे है। राम मंदिर का बनना हमारे जीवन का सौभाग्य है। 400–500 वर्षों की प्रतीक्षा आज पूर्ण हुई है। दर्शन के समय जो शांति और ऊर्जा मिली, वह किसी और स्थान पर संभव नहीं। यह केवल मंदिर नहीं, राष्ट्र की आत्मा का पुनर्जागरण है।

प्रश्न-अयोध्या के विकास मॉडल से अन्य नगर क्या सीख सकते हैं?

प्रमिला पांडेय–अयोध्या ने यह दिखाया है कि आध्यात्मिकता और आधुनिकता साथ–साथ चल सकती हैं।

स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, सुव्यवस्थित यातायात और श्रद्धालुओं की सुविधा—यह सब सुशासन का आदर्श मॉडल है।

प्रश्न-पर्यावरण और नगर आय जैसे विषयों पर सम्मेलन की चर्चा को आप कैसे देखती हैं?

प्रमिला पांडेय– आने वाला समय संतुलन का है। नगरों को आत्मनिर्भर बनाना है, लेकिन प्रकृति का संरक्षण भी उतना ही आवश्यक है। अयोध्या में यह संतुलन स्पष्ट दिखाई देता है—यही इसकी सबसे बड़ी प्रेरणा है।

प्रश्न- प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व को आप कैसे आंकती हैं?

प्रमिला पांडेय– उन्होंने असंभव को संभव किया। राम मंदिर निर्माण केवल एक परियोजना नहीं, यह सांस्कृतिक पुनर्निर्माण है। इतिहास में यह स्वर्णाक्षरों में लिखा जाएगा।

आकार ले रहा पंचवटी द्वीप

अयोध्या के पर्यटन को मिलेगी नई पहचान

» **सीईओ राज मेहता की परिकल्पना से साकार हो रहा पंचवटी द्वीप**

» **मंडलायुक्त राजेश कुमार ने किया पंचवटी निलयम रिसॉर्ट का निरीक्षण**

» **स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो**

अयोध्या।अयोध्या के पर्यटन मानचित्र को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की दिशा में श्री पंचवटी निलयम रिसॉर्ट एक महत्वपूर्ण परियोजना के रूप में उभर रहा है। कंपनी के सीईओ राज मेहता की दूरदर्शी सोच, दीर्घकालिक योजना और गुणवत्ता आधारित विकास मॉडल के चलते पंचवटी द्वीप को अयोध्या के प्रमुख पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। उनकी परिकल्पना है कि पंचवटी द्वीप न केवल पर्यटकों के ठहराव का केंद्र बने, बल्कि अयोध्या की सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत से जुड़ा एक समग्र पर्यटन अनुभव भी प्रदान करे।

इसी क्रम में अयोध्या मंडल के आयुक्त राजेश कुमार ने श्री पंचवटी निलयम रिसॉर्ट का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने रिसॉर्ट में चल रहे निर्माण एवं विकास कार्यों की प्रगति का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों से परियोजना की स्थिति के संबंध में विस्तार से जानकारी प्राप्त की।

मंडलायुक्त राजेश कुमार ने कहा कि पंचवटी द्वीप अयोध्या के पर्यटन विकास की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण परियोजना है। इसके पूर्ण रूप से शुरू होने के बाद अयोध्या आने वाले पर्यटकों को पूरे एक दिन का सुव्यवस्थित और समृद्ध पर्यटन आइटनरी उपलब्ध हो सकेगा, जिससे क्षेत्रीय पर्यटन को नई दिशा और गति मिलेगी।

उन्होंने परियोजना से जुड़े कार्यों की सराहना करते हुए श्री पंचवटी निलयम रिसॉर्ट की टीम को शुभकामनाएं दीं और हर संभव प्रशासनिक सहयोग का आश्वासन भी दिया।

इस अवसर पर श्री निलयम पंचवटी रिसॉर्ट के प्रबंधक कुमार उज्जवल ने मंडलायुक्त को पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। उन्होंने कहा कि मंडल आयुक्त के आगमन और मार्गदर्शन से परियोजना के कार्यों में तेजी आई है तथा पूरी टीम का मनोबल बढ़ा है।

उन्होंने यह भी बताया कि प्रशासनिक सहयोग से परियोजना को समयबद्ध और बेहतर गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने की प्रेरणा मिल रही है।

निरीक्षण के दौरान रिसॉर्ट से जुड़े अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे। अंत में रिसॉर्ट प्रबंधन एवं टीम की ओर से मंडलायुक्त राजेश कुमार के प्रति आभार व्यक्त किया गया, जिनके सहयोग, मार्गदर्शन और सकारात्मक दृष्टिकोण से पंचवटी द्वीप परियोजना को मजबूती और गति मिल रही है।

सम्पादकीय

छात्रों में एकाग्रता-रचनाशीलता को मिलेगा बढ़ावा

ऐसे दौर में जब बच्चे डिजिटल मीडिया को अंतिम सत्य मानने लगे हैं, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा स्कूलों में अखबार पढ़ना अनिवार्य बनाना एक सुखद अहसास ही है। सुबह की प्रार्थना के दौरान दस मिनट तक राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय खबरें व संपादकीय पढ़ना अनिवार्य किया गया है। बाकायदा रोज पांच कठिन शब्द अर्थ के साथ ब्लैकबोर्ड पर दर्ज होंगे। निश्चय ही इस प्रयास से जहां बच्चों में पढ़ने की संस्कृति, शब्द व सामान्य ज्ञान बढ़ेगा, वहीं उनके स्क्रीन टाइम में कमी आ सकेगी। निर्विवाद रूप से इससे धीरे-धीरे छात्रों की पढ़ने की प्रवृत्ति बढ़ेगी। बच्चे पढ़ने की संस्कृति से जुड़कर भावनात्मक, बौद्धिक व सामाजिक सरोकारों से समृद्ध होंगे। बहुत संभव है कि यदि इस अभियान को निरंतरता के साथ चलाया जाता रहा तो बच्चे पुस्तकालयों में रुचि लेने लगेंगे। विडंबना यह है कि आज बच्चों की उंगलियां पुस्तकों के पन्ने पलटने के बजाय मोबाइल के की-बोर्ड पर थिरकती रहती हैं। चिंताजनक स्थिति है कि भारत में पांच साल तक के बच्चे भी रोज दो घंटे से अधिक समय स्क्रीन पर बिताते हैं। एक सर्वे में चौंकाने वाली बात यह भी सामने आई कि दो साल जैसी कम उम्र के बच्चे भी रोज 1.2 घंटे स्क्रीन पर लगाते हैं। गंभीर स्थिति यह है कि एक चौथाई बच्चों की इंटरनेट तक पहुंच है। ऐसे वक्त में जब आस्ट्रेलिया में 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों की सोशल मीडिया तक पहुंच को रोका गया है, भारत में दस साल से कम उम्र के बच्चों तक के सोशल मीडिया अकाउंट बने हुए हैं।

दरअसल, उत्तर प्रदेश सरकार ने फैसला किया है कि मॉर्निंग असेंबली के दौरान बच्चों को अंग्रेजी व हिंदी के समाचार पत्र पढ़ने को दिए जाएंगे। ये निर्णय सभी सरकारी सेकेंडरी और बेसिक स्कूलों के लिये है, लेकिन यदि निजी स्कूल भी चाहें तो वे भी ऐसा निर्णय ले सकते हैं। निस्संदेह, बच्चों को स्कूली पाठ्यक्रम से अलग भी पुस्तकें पढ़ने की आदत डालनी चाहिए। तमाम सर्वे बता रहे हैं कि आज भी अखबार भरोसेमंद सूचना माध्यम हैं। कई चरणों में संपादकीय मंडल खबरों को सुरक्षित तरीके से जांच कर प्रकाशित करता है। यूं तो कथित सोशल मीडिया पर सूचनाओं का अंबार लगा है, लेकिन संपादक नामक संस्था के न होने से उनकी विश्वसनीयता संदिग्ध है। निहित स्वार्थी तत्व भ्रामक सूचनाएं लगातार प्रसारित करते रहते हैं। निस्संदेह, बच्चे जब अखबार पढ़ेंगे तो अखबारों के संपादकीय व लेख पढ़कर वे अपना दृष्टिकोण विकसित कर सकेंगे।उनकी भाषा समृद्ध होगी। आजकल के छात्रों के सबसे कम नंबर मातृभाषा में ही आते हैं। आज सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म बच्चों की मासूमियत छीन रहे हैं उन्हें समय से पहले वयस्क बना रहे हैं।

प्रधानमंत्री के चर्च जाने का निहितार्थ

ज्योति मल्होत्रा

लोकतंत्र की मजबूती के लिए एकता एक अनिवार्य शर्त है जो भारत में सर्वधर्म समभाव की अवधारणा में निहित है। प्रधानमंत्री का दिल्ली में ऐतिहासिक चर्च में जाना भी इसी ओर संकेत करता है। इसके अलावा किसी भी समुदाय की धार्मिक आस्था में दखलअंदाजी नहीं करना एकजुटता कायम रखने के लिए आवश्यक है। यह सोच 'आइडिया ऑफ इंडिया' के अनुकूल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी क्रिसमस के अवसर पर चर्च गए, 1931 ईस्वी का यह शानदार 'कैथेड्रल चर्च ऑफ़ द रिडेम्पशन' संसद भवन और राष्ट्रपति भवन के ऐन पास हैङ्क इसकी नलीदार मेहराबें और नज़ाकत भरा गुंबद 'जिन्होंने लॉर्ड इरविन का भी दिल जीत लिया था', और इसका पुराना ऑर्गन अभी भी सही सलामत है। यह सिर्फ़ दूसरी बार है जब प्रधानमंत्री अपने कार्यकाल में चर्च गए हों, पहली बार, दो साल पहले, दिल्ली के बीचोंबीच गोल मार्केट स्थित सेक्रेड हार्ट कैथेड्रल में गए थे।

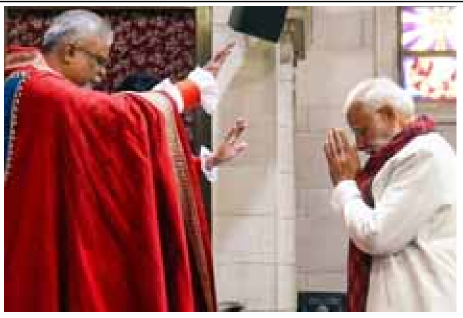

परम आदरणीय मुख्य पादरी पॉल स्वरूप द्वारा प्रभु यीशु मसीह से की गई प्रार्थना, जिसे सुनकर कोई भाव-विभोर हो जाए ः 'हे पिता, हम जानते हैं कि जिन्हें आप बुलाते हैं, आप उन्हें सामर्थ्य प्रदान करते हैं। और हम जानते हैं प्रभु कि आपने उन्हें हमारे महान राष्ट्र का नेतृत्व करने के इस महत्वपूर्ण काम के लिए चुना है। अतः, हे पिता, मैं आपके विवेक, आपकी सूझबूझ की दोगुनी रहमत के लिए प्रार्थना करता हूं, कि वे इस राष्ट्र को सच्चाई, न्याय व धर्म के रास्ते पर ले जा सकें...।' आइए एक पल के लिए समझते हैं कि बिशप किस संदर्भ में यह कह रहे होंगे। साल की शुरुआत यूनाइटेड क्रिश्चियन फोरम द्वारा जारी एक बयान से हुई थी, जिसमें कहा गया था कि उसने 2024 में भारत में ईसाइयों के खिलाफ हिंसा और धमकाने की 834 घटनाओं को दर्ज किया है, जोकि 2014 में हुई 127 घटनाओं से कहीं ज़्यादा है। जब प्रेस ने बिशप से पूछा कि क्या वह इस मुद्दे को प्रधानमंत्री के समक्ष उठाएंगे, तो बिशप ने कहा कि यह सही समय नहीं है। निश्चित रूप से, भारत के ईसाई उम्मीद कर रहे होंगे कि चर्च में प्रधानमंत्री की मौजूदगी से यह संदेश जाएगा कि निर्दोष लोगों के खिलाफ हिंसा रोकने का समय आ गया है। दिल्ली से, प्रधानमंत्री लखनऊ पहुंचे, 'प्रेरणा स्थल' का उद्घाटन करने के लिए, जो कई मूर्तियों वाला बगीचा है, जिनमें से एक मूर्ति अटल बिहारी वाजपेयी की भी है। साल 2014 में उनके जन्मदिन पर, मोदी सरकार ने घोषणा की थी कि 25 दिसंबर को अब से 'सुशासन दिवस' पुकारा जाएगा, और क्रिसमस अब राष्ट्रीय छुट्टी नहीं होगी। मोदी के चर्च में जाने से, उम्मीद है कि इसका मतलब है कि दोनों संभव हैं। यानी अब आप क्रिसमस और सुशासन, दोनों मना सकते हैं। गत सप्ताह, हरियाणा के हिसार में 160 साल पुराने चर्च के सामने विश्व हिंदू परिषद ने 25 दिसम्बर को 'तुलसी पूजन दिवस' के रूप में मनाया, और प्रशासन ने यह सुनिश्चित करने को कि कहीं कोई गड़बड़ न हो, लगभग 300 पुलिसकर्मी तैनात किए। रोचक यह कि विश्व हिंदू परिषद के 'हवन' में एक व्यक्ति ने जो जैकेट पहनी थी, उस पर इटैलियन डिज़ाइनर बालेनशियागा का ब्रांड नाम लिखा था, लेकिन शायद इससे कोई फ़र्क नहीं पड़ता क्योंकि दक्षिणपंथी निशाना उन अंग्रेज़ों पर साधते हैं जिन्होंने भारत को गुलाम बनाया था, न कि इटैलियनों पर।, जहां क्रिसमस के दिन प्रधानमंत्री गए थे— 1864 में बना यह गिरजाघर यीशु मसीह के 12 शिष्यों में से एक के नाम पर स्थापित किया गया था, जो 52वीं ईस्वी में किश्ती में सवार होकर केरल में धर्म प्रचार करने आए थे। तब फिर, 1800 साल बाद सेंट थॉमस की याद में इतनी दूर हिसार को क्यों चुना गया? यह साफ़ नहीं है, सिवाय इसके कि 1864 तक, जैसा कि हम जानते हैं कि ब्रिटिश राज ने सैन्य विद्रोह पर पार पा लिया था, उत्तरी भारत पर उनकी पकड़ कहीं ज्यादा मज़बूत हो गई थी, ।

संकल्प सिद्धि हेतु तारीख ही नहीं मन भी बदलना जरूरी

अंतर्मन

दीपिका अरोड़ा

हमें याद रखना चाहिए कि संकल्प और विकल्प एक म्यान में दो तलवारों की तरह से हैं। इसलिए नववर्ष में ऐसे संकल्प लें, जिनमें पीछे हटने का कोई मार्ग ही न हो। संकल्प का अडिग रहना ही वास्तविक नववर्ष है। सही मायने में जीवन में बड़े बदलाव लाने के लिए न तो नये दिन और नये साल की जरूरत होती है, बल्कि अटूट संकल्प की जरूरत होती है। जब हम संकल्प के किंतु-परंतुओं से हटकर एकाग्र होते हैं तो संकल्प फलीभूत होते हैं। जरूरत इस बात की होती है कि हम दृढ़निश्चयी बनें।

यह भी जरूरी नहीं है कि बदलाव नये साल की शुरुआत में ही कुछ ही दिनों में हासिल हो जाएगा। लक्ष्य पाने की प्रक्रिया को अनवरत धीरे-धीरे अपने शरीर व मन को उसके अनुरूप ढालकर भी पूरा किया जा सकता है। निश्चय ही आज हम बीत रहे साल के उस पड़ाव पर खड़े हैं, जहां एक तरफ़ बीते साल की खट्टी-मीठी यादें हैं तो दूसरी तरफ़ नये साल को लेकर की गई तमाम नई उम्मीदें हैं। सिर्फ दो ही दिन की तो बात है, कैलेंडर की तारीख़ बदल जाएगी और साथ ही डायरी के पन्ने भी। लेकिन यहां सबसे बड़ा सवाल उठता है कि क्या हम भी बदल पाएंगे। क्या समस्याओं के समाधान के लिए हमारे पुराने वही घिसेपिटे दृष्टिकोण रहेंगे, जिनसे हम अपने जीवन को बेहतर न बना पाए। हर साल 31 दिसंबर की रात, हम उत्साह के आवेश में स्वयं से कई वादे कर डालते हैं जैसे रोज़ सुबह योग करेंगे, गुस्सा नहीं करेंगे, सोशल मीडिया से दूरी बनाएगे आदि-आदि। लेकिन शोध बताते हैं कि नए साल पर अधिकांश लोगों द्वारा लिए गए संकल्प जनवरी के दूसरे शुक्रवार आने तक टूट जाते हैं। यही कारण है कि जनवरी माह के इस दूसरे शुक्रवार को 'क्विटर्स डे' यानी हार मान लेने वालों का दिन भी कहा जाता है। आखिर ऐसा क्यों होता है कि जिस परिवर्तन का संकल्प हम इतने उत्साह से लेते हैं, वह दस दिन भी नहीं टिक पाता तो इसका उत्तर भारतीय दर्शन में, विशेषकर कठोपनिषद के नीचे लिखे अत्यंत

महत्वपूर्ण श्लोक में छिपा है, जहां जीवन की तुलना एक 'रथ' से की गई है ः-'आत्मानं रथिनं विद्धि शरीरं रथमेव तु।बुद्धिं तु सारथिं विद्धि मनः प्रग्रहमेव च ।।यह श्लोक इस संसार में यात्रा कर रहे हम सभी के लिए एक अद्भुत रूपक है। श्लोक बताता है कि शरीर रथ है, इंद्रिया घोड़े हैं। मन लगाम और बुद्धि सारथी है। रथ का पूरा नियंत्रण इन्ही दोनों के हाथ में होता है। इसी प्रकार मानव जीवन की दिशा बुद्धि और मन तय करते हैं। अगर सारथी यानी बुद्धि द्वारा लगाम अर्थात? मन को नियंत्रित न किया जाए तो घोड़े यानी इन्द्रियां बेलगाम हो जाती हैं। नियंत्रण में नहीं रहती।

तो संकल्प के टूटने का जो यह असली कारण इसी 'सारथी' और 'लगाम' के रिश्ते में है। बुद्धि रूपी सारथी द्वारा मन रूपी लगाम को कसकर पकड़ना ही संकल्प है। जब हम नववर्ष पर कोई संकल्प लेते हैं, तो वह हमारी 'बुद्धि' का निर्णय होता है। लेकिन यदि हमने मन रूपी लगाम को ढीला छोड़ दिया

तो इंद्रियां रूपी घोड़े बेकाबू हो जाएंगे और रथ को ग़लत दिशा में ले जाएंगे। इसलिए संकल्प तभी सिद्ध होता है जब सारथी यानी बुद्धि सचेत हो और उसने मन लगाम को कसकर साधा हुआ हो। इसलिए संकल्प करते समय मन की लगाम को ढीला नहीं छोड़ना चाहिए। जैसे ही मन कमजोर पड़ा, संकल्प तुरंत टूट जाता है और फिर कोई विकल्प जन्म ले लेता है। दरअसल, संकल्प इसलिए टूटते हैं, क्योंकि हमारे पास विकल्प होते हैं। अगर संकल्प में कोई विकल्प न हो, तो कामों का सिद्ध होना तय है। इसलिए संकल्प में पीछे हटने का रास्ता बंद कर दिया जाना चाहिए। ऐसा ही कुछ यजुर्वेद रुद्राष्टाध्यायी में वर्णित सूत्र के श्लोक की पंक्ति 'तन्मे मनः शिवसंकल्पमस्तु' में कहा गया है। इस श्लोक में प्रार्थना की गई है कि हमारा मन शुभ संकल्पों वाला हो। शुभ संकल्पों से ही मन को साधा जा सकता है क्योंकि यदि मन सध गया तो परिस्थितियां अपने आप सध जायेंगी।मन की इसी शक्ति को और अधिक गहराई से समझाया है, पश्चिम में योग के जनक माने जाने वाले परमहंस योगानंद जी ने। वह कहते हैं—'प्रत्येक वस्तु का सृजन मन द्वारा होता है। अतः आप इसे केवल शुभ सृजन के लिए ही निर्देशित करें। यदि क्रियात्मक इच्छाशक्ति के साथ आप किसी विचार को पकड़े रहते हैं तो वह अंत में साकार रूप धारण कर लेता है। जब आप अपनी इच्छाशक्ति को सदैव रचनात्मक उद्देश्यों के लिए प्रयोग करने के योग्य हो जाते हैं तो आप अपने भाग्य के नियंत्रक बन जाते हैं।' तो इस बार, जब हम 31 दिसंबर की रात घड़ी की सुइयों को मिलते हुए देखें तो नए वर्ष का स्वागत जश्न मनाने, आतिशबाजी करने और 'हैप्पी न्यू ईयर' कहने जैसी औपचारिकताएं अवश्य करें, पर अपने भीतर के सारथी को भी जगाएं। जिस प्रकार एक कुशल सारथी लगाम को कसकर घोड़ों को सही मार्ग पर ले जाता है उसी प्रकार हमें भी अपने शुभ संकल्पों से अपने जीवन की दिशा तय करनी होगी। हमें याद रखना चाहिए कि संकल्प और विकल्प एक म्यान में दो तलवारों की तरह से हैं। इसलिए नववर्ष में ऐसे संकल्प लें।

गार्ड हत्याकांड में मचा बवाल पांच घंटे बाद शांत हुआ हंगामा

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

• अलाव जलाने के विवाद में सुरक्षा गार्ड की हत्या का मामला
• परिवार को 15 लाख की आर्थिक सहायता देने पर बनी सहमति

स्वराज इंडिया फालोअप

बिल्हौर (कानपुर)। शुक्रवार–शनिवार की रात बिल्हौर थाना क्षेत्र के गदनपुर आहार गांव स्थित निर्माणाधीन महर्षि महेश योगी कृषि विश्वविद्यालय में हुए सिक्योरिटी गार्ड हत्याकांड ने रविवार को उग्र रूप ले लिया। पोस्टमार्टम के बाद आक्रोशित परिजन और दर्जनों ग्रामीण बिना पुलिस को सूचना दिए ट्रैक्टर- ट्रॉली से शव लेकर विश्वविद्यालय परिसर पहुंच गए और धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया। करीब पांच घंटे तक चले इस हंगामे के चलते पूरे इलाके में तनावपूर्ण माहौल बना रहा।

हंगामे की सूचना मिलते ही कोतवाली प्रभारी अशोक कुमार सरोज सबसे पहले मौके पर पहुंचे और परिजनों को समझाने का प्रयास किया। कुछ ही देर में एसीपी मंजय सिंह, एसडीएम संजीव दीक्षित और तहसीलदार अनुभव चंद्रा भी मौके पर पहुंच गए। हालांकि परिजन मुआवजे की मांग को लेकर अड़े रहे। हालात बिगड़ते देख बिल्हौर विधायक राहुल बच्चा सोनकर व नानामऊ जिला पंचायत सदस्य गगन सिंह भी विश्वविद्यालय परिसर पहुंचे। उनके निर्देश पर विश्वविद्यालय प्रभारी आनंद प्रकाश श्रीवास्तव को भी मौके पर बुलाया गया। काफी देर तक चली बातचीत के बाद मृतक के परिजनों को कुल 15 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने पर सहमति बनी। इसमें 13 लाख रुपये विश्वविद्यालय प्रबंधन, एक लाख रुपये विधायक राहुल बच्चा सोनकर की व्यक्तिगत सहायता तथा एक लाख रुपये ठेकेदार की ओर से देने का आश्वासन शामिल है। आश्वासन मिलने के बाद परिजनों और ग्रामीणों का आक्रोश शांत हुआ। इसके बाद शव को विश्वविद्यालय परिसर से हटाया गया।

मालूम हो कि कि औरंगपुर सांभी गांव निवासी निर्मल सिंह चंदेल गदनपुर स्थित महर्षि महेश योगी कृषि विश्वविद्यालय में सिक्योरिटी गार्ड के रूप में तैनात थे। शुक्रवार रात अलाव जलाने को लेकर उनका साथी गार्ड अनिरुद्ध से विवाद हो गया था। विवाद इतना बढ़ गया कि अनुभव द्विवेदी ने अपनी लाइसेंसी बंदूक से निर्मल सिंह के सीने में गोली मार दी, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी फरार हो गया था, जिसे पुलिस ने शनिवार रात कानपुर के कल्याणपुर क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया।

बेटी से बात कर भावुक हुए विधायक

▪ धरना–प्रदर्शन के दौरान विधायक राहुल बच्चा सोनकर ने मृतक निर्मल सिंह की नाबालिग बेटी से बातचीत की। पिता को खोने के गम में रोती–बिलखती बच्ची की बात सुनकर विधायक भावुक हो गए। उन्होंने परिजनों को ढांढस बंधाते हुए हर संभव मदद का भरोसा दिलाया और कहा कि बच्ची की पढ़ाई–लिखाई और परिवार की जिम्मेदारी निभाने में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। साथ ही प्रशासन को निर्देश दिए कि पीड़ित परिवार को सरकारी योजनाओं का लाभ शीघ्र दिलाया जाए।

हत्यारोपी बोला, विवाद खत्म करने के लिए सीने पर मारी गोली

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

• सिक्योरिटी गार्ड हत्याकांड का आरोपी 24 घंटे में गिरफ्तार
• मृतक के छोटे भाई की तहरीर पर दर्ज हुआ था मुकदमा

बिल्हौर (कानपुर)। सिक्योरिटी गार्ड निर्मल की हत्या के मामले में पुलिस ने उसके साथी गार्ड अनिरुद्ध द्विवेदी को घटना के 24 घंटे के भीतर कानपुर के कल्याणपुर क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश करने के बाद रविवार को जेल भेज दिया। पुलिस ने मृतक के छोटे भाई रोहित सिंह की तहरीर पर पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज किया था।

गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपी से कड़ाई से पूछताछ की, जिसमें उसने अपना जुर्म कबूल करते हुए बताया कि ड्यूटी के दौरान गश्त की बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हो गई थी, जो विवाद में बदल गई। विवाद को खत्म करने के लिए उसने अपनी बंदूक से निर्मल के सीने पर फायर कर दिया। आरोपी ने बताया कि घटना के बाद मौके पर मौजूद अन्य गार्डों ने उसे पकड़ने की कोशिश की, लेकिन वह उन्हें बंदूक दिखाकर, डरा धमकाकर जंगल और खेतों के रास्ते फरार हो गया। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त 12 बोर की बंदूक, एक खोखा कारतूस और एक जिंदा कारतूस बरामद किया है। पुलिस ने बताया कि बरामदगी के आधार पर मामले में आर्म्स एक्ट की धारा 30 बढ़ाई गई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले में आगे की विधिक कार्रवाई पूरी कर आरोपी को जेल भेज दिया गया है।

बिल्हौर तहसील में अधिवक्ताओं के तीसरे संगठन का उदय

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

• 'एकीकृत एडवोकेट बार एसोसिएशन' का गठन, अधिवक्ता जगत में चर्चा

बिल्हौर (कानपुर)। बिल्हौर बार एसोसिएशन और द लायर्स एसोसिएशन के बाद अब तहसील परिसर में अधिवक्ताओं का तीसरा संगठन अस्तित्व में आ गया है। इसका नाम रखा गया है 'एकीकृत एडवोकेट बार एसोसिएशन'।

संगठन के गठन से अधिवक्ता समाज में चर्चा का माहौल बना हुआ है। वरिष्ठ अधिवक्ता और संगठन के संरक्षक अनिल अग्निहोत्री ने बताया कि द लायर्स एसोसिएशन से त्यागपत्र देने के बाद कई अधिवक्ताओं ने एकजुट होकर नया संगठन बनाने का निर्णय लिया। उन्होंने बताया कि वर्तमान में लगभग 50 अधिवक्ता संगठन से जुड़े हैं और आने वाले दिनों में इसके और विस्तार की योजना है।

अधिवक्ता इंदु ने बताया कि संगठन में अभिषेक, अनुराग द्विवेदी, योगेंद्र शुक्ला, अशोक शुक्ला, आशीष द्विवेदी, धीरेन्द्र सिंह सहित कई अन्य अधिवक्ता जुड़ चुके हैं। संगठन का उद्देश्य अधिवक्ताओं के हितों की रक्षा करना, उनकी समस्याओं को प्रभावी ढंग से उठाना और सभी को एक समान मंच उपलब्ध कराना है।

बिल्हौर बार एसोसिएशन अध्यक्ष, पूर्व चेयरमैन समेत कई लोग रहे मौजूद

नई उम्मीद ने जगाई इंसानियत की अलख

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

• मुख्य अतिथियों का फूल-मालाओं से किया गया स्वागत

बिल्हौर (कानपुर)। कड़ाके की ठंड के बीच जरूरतमंदों को राहत पहुंचाने के लिए समाजसेवी संस्थाएं आगे आ रही हैं। इसी क्रम में रविवार को बिल्हौर कस्बे की समाजसेवी संस्था नई उम्मीद फाउंडेशन द्वारा ग्रीन पैलेस स्थित कार्यालय के समीप रजाई वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बिल्हौर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष बृजेश कटियार, अधिवक्ता महेंद्र सिंह कुशवाहा, पूर्व चेयरमैन नूर इदरीसी, शादाब खान, एडवोकेट रजनीश द्विवेदी, शिक्षक शरीफ खान, सभासद नसरत हुसैन, लोकेश अवस्थी, डॉ. प्रतीक, गुफरान कुरैशी, जीशान अंसारी, अकरम खान, एजाज हसन तथा गुलजार समेत अन्य लोग मौजूद रहे। सभी अतिथियों का संस्था के लोगों ने फूल-मालाओं से स्वागत किया ।

इसके पश्चात संस्था के मुती यासिर अराफात, एहसान, तौफीक, जावेद, शारिक, अर्शलान, शोएब व मुन्ना खान की

मौजूदगी में मुख्य अतिथियों द्वारा जरूरतमंदों को रजाइयां वितरित की गईं। वक्ताओं ने संस्था के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन ठंड के मौसम में गरीब व असहाय वर्ग के लिए राहत का कार्य करते हैं।

संदिग्ध हालात में खून से सना मिला युवक का शव, परिजनों में कोहराम

हत्या या आत्महत्या, पुलिस गहराई से छानबीन में जुटी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के अमरौधा कस्बे में एक युवक का संदिग्ध परिस्थितियों में रक्तरंजित शव मिला है। घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस व फोरेंसिक टीम ने मौके पर जांच पड़ताल की।शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घटना से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। पुलिस पूरे मामले की गहराई से छानबीन में जुटी हुई है। मृतक की पहचान कटरा मोहाल निवासी 35 वर्षीय कलीम के रूप में हुई है।

रविवार सुबह कलीम का रक्तरंजित शव संदिग्ध परिस्थितियों में उसके ही घर में मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई।

पत्नी शमा परवीन ने घटना की सूचना पुलिस को दी।सूचना मिलते ही कोतवाल अमरेंद्र बहादुर सिंह पुलिस टीम के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर घटना की छानबीन की। घटना की संदिग्धता को देखते हुए फोरेंसिक टीम को मौके पर बुलाया गया।

सूचना मिलने पर फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए।तत्पश्चात पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।मृतक की पत्नी शमा परवीन ने बताया कि बीती रात वह पड़ोस में परिवार के एक शादी समारोह में शामिल होने गई हुई थी। सुबह करीब 6 बजे जब वह वापस लौटी तो पति कलीम का रक्तरंजित शव देखकर वह अवाक रह गई और घटना की सूचना पुलिस को दी। कोतवाल अमरेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत होता है।शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।फोरेंसिक टीम ने मौके पर साक्ष्य एकत्र किए हैं। मामले की हर एंगल पर जांच की जा रही है।पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।

डंफर की टक्कर से साइकिल सवार गंभीर,108 एंबुलेंस की तत्परता से बची जान

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। भोगनीपुर कोतवाली के सिखमापुर पुखरायां निवासी अनिल कुमार 35 साइकिल से ड्यूटी के लिए पुखरायां जा रहा था। सिखमापुर किसान सेवा केंद्र के पास सडक़ पार करते समय तेज रफ्तार डंपर ने उसे टक्कर मार दी। जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गया और सडक़ पर गिर पड़ा। घटना की सूचना मिलते ही 108 एंबुलेंस सेवा को अवगत कराया गया। सूचना पर तत्काल मौके पर पहुँची एंबुलेंस में तैनात ईएमटी भारत सिंह ने घायल को प्राथमिक उपचार दिया और स्थिति को संभालते हुए उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पुखरायां में भर्ती कराया।

सरकारी लापरवाही की भेंट चढ़ी पेयजल योजना, छह हजार लोग प्रभावित

» **जल निगम के सहायक अभियंता संजय सिंह ने कहा बजट का आवंटन न होने से कार्य प्रभावित हुआ**

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात माती। गोगूमऊ गांव में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से वर्ष 2023 में शुरू हुआ पानी की टंकी का निर्माण कार्य दो वर्ष बीत जाने के बाद भी अधूरा पड़ा है। टंकी का निर्माण पूरा न होने के कारण गोगूमऊ सहित उसके मजरा कुटी, गौरीपुर व सराय गांवों की लगभग छह हजार आबादी आज भी स्वच्छ पेयजल से वंचित है। ग्रामीणों में बढ़ती नाराजगी के बीच शीघ्र जलापूर्ति शुरू कराने की मांग तेज हो गई है।

ग्रामीणों को घर-घर स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए कुटी गांव के बाहर पानी की टंकी का निर्माण कार्य शुरू कराया गया था। प्रारंभ में टंकी की बोरिंग और गांवों में पाइपलाइन बिछाने का कार्य तो कराया गया, लेकिन इसके बाद बजट के अभाव में निर्माण कार्य बंद कर दिया गया। करीब एक वर्ष तक काम पूरी तरह ठप रहा। अक्टूबर 2025 में एक बार फिर कार्य शुरू होने से ग्रामीणों में उम्मीद जगी, लेकिन कुछ ही दिनों बाद निर्माण कार्य पुनः बंद हो गया। वर्तमान में मौके पर अधूरी टंकी खड़ी है, न तो सोलर प्लांट लगाया गया है और न ही मेन लाइन का कार्य पूरा हो सका है। ऐसे में ग्रामीण पेयजल योजना का लाभ लोगों तक नहीं पहुंच पा रहा है।

गोगूमऊ गांव निवासी व भाजपा जिला प्रवासी प्रकोष्ठ के संयोजक राजेश तिवारी ने बताया कि दो साल बीत जाने के बावजूद टंकी का निर्माण पूरा न होने से ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने जलापूर्ति जल्द शुरू कराने के लिए कई बार अधिकारियों से शिकायत दर्ज कराई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी है। सराय गांव के सुनील बाजपेई ने कहा कि आसपास के कई गांवों में घर-घर जलापूर्ति शुरू हो चुकी है, जबकि उनके गांव के लोग लंबे समय से केवल आश्वासन के सहारे जी रहे हैं। गौरीपुर गांव के चांदी लाल सविता ने भी नाराजगी जताते हुए कहा कि गोगूमऊ जैसे महत्वपूर्ण गांव में, जहां एचपीसीएल का डिपो और रेलवे स्टेशन मौजूद है, वहां के निवासी आज भी स्वच्छ पेयजल के लिए तरस रहे हैं। इस संबंध में जल निगम के सहायक अभियंता संजय सिंह ने बताया कि बजट का आवंटन न होने के कारण कार्य प्रभावित हुआ है। बजट मिलते ही निर्माण कार्य पूरा कर जलापूर्ति शुरू कराने का प्रयास किया जाएगा।

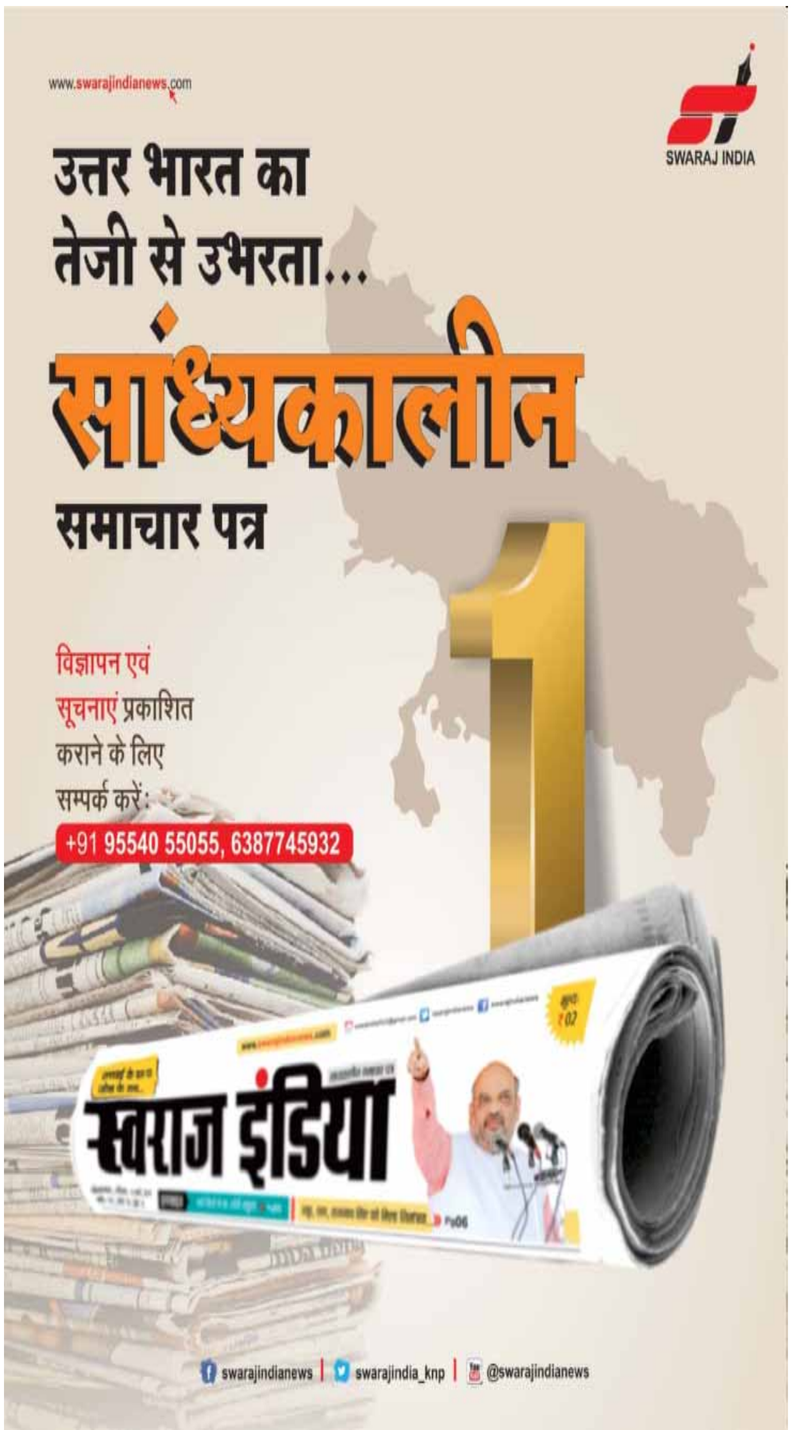

टेलर पलटने से चालक-क्लीनर गंभीर 3 घंटे तक केबिन में फंसे रहे दोनों

गैस कटर से खिड़की काटने के साथ, हाइड्रा के प्रयोग से बची दोनों की जान

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। बिल्हौर की ओर से झांसी की ओर जा रहा ट्रेलर डंपर दूसरे डंपर की ओवरटेक करते समय ट्क्कर से चक्कर में खाई में जा पलटा। टेलर पलटने से चालक केबिन में बुरी तरह फंस गए। राह चलते युवकों ने सूचना पुलिस को दी तो मौके पर जेसीबी मशीन और हाइड्रा की मदद से करीब 3 घंटे तक चल रेस्क्यू के बाद दोनों की जान बचाई जा सकी।

जालौन जिला के ऐंट थाना क्षेत्र के अंतर्गत सौमई गांव के रहने वाले टेलर चालक नितिन कुमार क्लीनर सोनू मंसूरी के साथ जेएसबी हरदोई में खाली करने गए थे। वहां से वापस लौट रहे थे तभी रसूलाबाद के अंतर्गत मुनौरापुर गांव के सामने पीछे से आए दूसरे डंपर ने ओवरटेक कर टक्कर मार दी। जिससे टेलर खाई में जा पलटा। रास्ते से निकल रहे जिताई का पुरवा निवासी दीपक तिवारी, अंकित त्रिवेदी, रजत, विशाल, अंकित तिवारी, दीपेंद्र, नितिन ने पुलिस को सूचना देकर जेसीबी मंगवाई। काफी प्रयास के बाद जब जेसीबी से दोनों बाहर नहीं निकले तो रसूलाबाद थाना से उपनिरीक्षक रविंद्र सिंह आरक्षी अखिलेश, चौकी प्रभारी तिश्ती ब्रजेश कुमार, हेड कांस्टेबल रामाधार यादव सहित पुलिस बल मौके पर पहुंचा। रसूलाबाद से गैस कटर व सिलेंडर लेकर पहुंचे। करीब 3 घंटे तक चल रेस्क्यू में हाइड्रा और गैस कटर के माध्यम से कड़ी मशक्कत के बाद दोनों को सुरक्षित बाहर निकाला। जिन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद दोनों घायलों को हैलट कानपुर रेफर किया गया।

डीसीएम की टक्कर से बाइक सवार तीन घायल हालत गंभीर

कानपुर देहात। एक सड़क हादसे में एक ही परिवार के तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसा कानपुर देहात के भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के पुखरायां कस्बा स्थित प्रेमा कटियार शिक्षण संस्थान के नजदीक हुआ। जहां पर एक तेज रफ्तार डीसीएम ने बाइक में टक्कर मार दी। घायलों की पहचान अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र के इन्द्रुख गांव निवासी मोहनलाल की पत्नी पार्वती, पुत्र रामगोपाल व उसकी पत्नी लाली के रूप में हुई है। घायल पार्वती ने बताया कि सभी लोग हमीरपुर के जलालपुर गांव से बाइक से घर वापस लौट रहे थे। सभी घायलों को पुखरायां सीएचसी में भर्ती कराया। जहां से उन्हें गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। कोतवाल अमरेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि उन्हें घटना की सूचना नहीं मिली है।

तेज रफ्तार ट्रैक्टर से कुचल कर ड्यूटी पर जा रही युवती की मौत

हादसा पुराना शिवली रोड पर गूबा गार्डन के पास रविवार सुबह हुआ, चालक फरार, मालिक हिरासत में

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। पुराना शिवली रोड स्थित गूबा गार्डन के पास रविवार सुबह ड्यूटी पर जा रही एक युवती की तेज रफ्तार ट्रैक्टर की चपेट में आने से मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने गंभीर रूप से घायल युवती को तत्काल एलएलआर अस्पताल भिजवाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया मृतका की पहचान बिठूर के चकरतनपुर निवासी 29 वर्षीय दिव्या के रूप में हुई है। पिता

बिहारीलाल के अनुसार, दिव्या आवास विकास क्षेत्र की एक कंपनी में कार्यरत थी और रोज की तरह सुबह स्कूटर से ड्यूटी के लिए निकली थी। परिवार पर जिम्मेदारी का बोझ पहले से ही था, क्योंकि वर्ष 2023 में उसके इकलौते भाई की बीमारी से मौत हो चुकी थी। इसके बाद से दिव्या ही घर का सहारा बनी हुई थी। कल्याणपुर थाना प्रभारी राजेंद्र कांत शुक्ल ने बताया कि हादसे में शामिल ट्रैक्टर को कब्जे में ले लिया गया है। वाहन मालिक को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है, जबकि चालक फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है। पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है।

भक्ति-सुरों संग निकली पनकी दरबार की पदयात्रा, पुष्पवर्षा से हुआ स्वागत

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। श्री बजरंग भक्त परिवार मंडल ने बादशाही नाका से पनकी धाम तक भव्य पदयात्रा निकाली। यहां बाबा को छप्पन भोग लगाकर सुख-समृद्धि की कामना की गई।

कानपुर में श्री बजरंग भक्त परिवार मंडल के तत्वावधान में रविवार को पनकी हनुमान जी बाबा के दरबार तक पारिवारिक संगीतमय पदयात्रा निकाली गई। महामंडलेश्वर महंत जितेन्द्र दास एवं महामंडलेश्वर कृष्ण दास महाराज के सानिध्य में यात्रा सुबह साढ़े सात बजे बादशाही नाका चौराहा स्थित हनुमान मंदिर से प्रस्थान हुई। भव्य झांकी, ध्वज-पताकाओं और भजन-कीर्तन के साथ भक्तजन जयकारों के बीच आगे बढ़ते रहे।

समिति के मनीष दर्पण अग्रवाल ने बताया कि पदयात्रा का उद्देश्य वर्षभर में हुई भूलचूक के लिए क्षमायाचना करना और नव वर्ष पर देश-प्रदेश की समृद्धि और परिवारों के सुख-शांति की कामना करना है। बारहवें वार्षिकोत्सव के रूप में आयोजित यह यात्रा मूलगंज, लाटूश रोड, डिप्टी पड़ाव, चंद्रिका देवी, जरीब चौकी, दर्शनपुरवा, फजलगंज और विजयनगर मार्ग से होकर पनकी दरबार पहुंची।

यहां भक्तों ने जगह-जगह पुष्पवर्षा कर यात्रियों का स्वागत किया। दरबार परिसर को भव्य रूप से सजाया गया। भगवान हनुमान को छप्पन भोग अर्पित किए गए तथा पंडित राम जी शुक्ला ने संगीतमय सुंदरकांड पाठ कराया। मंदिर प्रांगण में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। पदयात्रा में पंकज अग्रवाल, मनीष दर्पण, विवेक शुक्ला, अमित गुप्ता सहित कई सदस्य प्रमुख रूप से शामिल रहे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादकः अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 । **Email:** swarajindia2023@gmail.com । **Mob:** 7800009853, । **Website:** www.swarajindianews.com । (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

केजीएमयू में छात्रा से यौन शोषण व ब्लैकमेलिंग का आरोपी डॉक्टर फरार

पूरा मामला तब उजागर हुआ जब 17 दिसंबर को पीड़ित महिला डॉक्टर ने दवाओं की अधिक मात्रा लेकर आत्महत्या का प्रयास किया

»प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

लखनऊ। किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय से जुड़ा एक गंभीर आपराधिक मामला सामने आया है। एमडी पैथोलॉजी की पढ़ाई कर रही महिला डॉक्टर द्वारा दर्ज कराई गई तहरीर के आधार पर यौन शोषण, मानसिक प्रताड़ना और ब्लैकमेलिंग के आरोपी डॉक्टर रमीज की पुलिस सरगर्मी से तलाश कर रही है। घटना के बाद से आरोपी फरार बताया जा रहा है।

पीड़िता की तहरीर के अनुसार आरोपी डॉक्टर रमीज उत्तराखंड के उधमसिंह नगर जनपद के खटीमा का निवासी है, जबकि उसके सहारनपुर से जुड़े होने की भी जानकारी सामने आ रही है। आरोपी ने आगरा मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस की पढ़ाई की थी। इसके बाद उसने नीट पीजी परीक्षा उत्तीर्ण कर केजीएमयू में एमडी पैथोलॉजी शाखा में दाखिला लिया था। वर्ष 2023 की नीट पीजी काउंसिलिंग सूची के अनुसार उसकी स्टेट रैंक 2007 थी और उसे बैकवर्ड क्लास ओपन श्रेणी के अंतर्गत प्रवेश मिला था। वर्तमान में पैथोलॉजी विभाग में एमडी की कुल 20 सीटें हैं।

पूरा मामला तब उजागर हुआ जब 17 दिसंबर को पीड़ित महिला डॉक्टर ने दवाओं की अधिक मात्रा लेकर आत्महत्या का प्रयास किया। गंभीर अवस्था में उसे केजीएमयू ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के बाद 19 दिसंबर को उसे छुट्टी दी गई।

पीड़िता के पिता ने आरोप लगाया कि आरोपी डॉक्टर ने उनकी बेटी को प्रेम जाल में फंसाकर उस पर धर्म परिवर्तन का दबाव बनाया। आरोप है कि शादी के लिए इस्लाम धर्म अपनाने को मजबूर किया गया, जबकि आरोपी पहले से शादीशुदा है और फरवरी माह में एक हिंदू युवती का धर्म परिवर्तन कर उससे विवाह कर चुका है। विरोध करने पर आरोपी द्वारा ब्लैकमेलिंग और मानसिक प्रताड़ना की गई। मामले की शिकायत राज्य महिला आयोग और मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल पर की गई थी। 22 दिसंबर को राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव ने पीड़िता के साथ प्रेस वार्ता कर कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके बाद 24 दिसंबर को विशाखा समिति की रिपोर्ट के आधार पर केजीएमयू प्रशासन ने आरोपी डॉक्टर को निलंबित कर परिसर में प्रवेश पर रोक लगा दी।

आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। पुलिस का कहना है कि आरोपी की तलाश के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है और जल्द ही उसे गिरफ्तार किया जाएगा। मामले ने चिकित्सा संस्थान की सुरक्षा व्यवस्था और छात्राओं की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए।

पत्नी पर बुरी नीयत के शक में साढू की हत्या पुलिस ने 48 घंटे के अंदर किया खुलासा

पार्टी देने के बहाने खेत पर बुलाया फिर पिलाई दारू और मार दी गोली

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

औरैया। सहायल थाना क्षेत्र के अंतर्गत हुए सनसनी खेज पिंटू हत्याकांड मामले का खुलासा पुलिस अधीक्षक अभिषेक भारती की सक्रियता से सहायल थाना पुलिस द्वारा 48 घंटे के अंदर कर दिया गया है। पुलिस ने दो हत्यारोपियों को गिरफ्तार करने के साथ उनके पास से हत्या में प्रयुक्त तमंचा कारतूस व मोटरसाइकिल भी बरामद की है। हत्या का प्रमुख कारण पत्नी पर बुरी नियत का शक व रंजिश बताया गया है।

उक्त घटना का खुलासा करते हुए पुलिस अधीक्षक औरैया अभिषेक भारती ने बताया है कि सहायल थाना क्षेत्र के अंतर्गत 25 दिसंबर 2025 को ग्राम बक्सा पुर्वा के समीप सडक के किनारे एक युवक का शव पड़ा पाया गया था जिससे क्षेत्र में हडकंप मच गया था और शव की पहचान पिंटू कुमार उर्फ सतीश निवासी फतेहपुर थाना सहार के रूप में हुई थी। पुलिस अधीक्षक ने बताया है कि मृतक के पिता की तहरीर पर पुलिस द्वारा अज्ञात लोगों के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत किया गया था और थाना प्रभारी सहायल विनोद कुमार की पुलिस टीम के साथ सर्विलांस व एसओजी की टीमें भी गठित कर मामले के पर्दाफाश करने का जीजान से प्रयास किया गया जिस पर शनिवार की सुबह लगभग 7 बजे मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने सबलपुर नहर पुलिया के पास से दो संदिग्धों को गिरफ्तार किया। पूछताछ में उनकी पहचान अभिषेक कुमार उर्फ दीपक राजपूत व गौरव कठेरिया के रूप में हुई। पुलिस द्वारा जब कड़ाई से पूछताछ की गई तो दोनों अभियुक्तों ने पिंटू की हत्या की बात कबूल की।

पुलिस अधीक्षक के मुताबिक मुख्य अभियुक्त अभिषेक ने पुलिस को बताया है कि मृतक पिंटू रिश्ते में उसका दूर का साढू था और उसी ने उसकी शादी कराई थी। अभिषेक को शक था कि पिंटू उसकी पत्नी पर बुरी नजर रखता है और लगातार संपर्क करने की कोशिश कर रहा है। कई बार समझाने के बाद जब पिंटू नहीं माना तो अभिषेक ने अपने दोस्त गौरव के साथ मिलकर उसकी हत्या की साजिश रची। योजना के तहत दोनों ने पिंटू को पार्टी देने के बहाने ग्राम बक्सा पुर्वा के पास खेत पर बुलाया और शराब पीने के दौरान मौका पाकर अभिषेक ने 315 बोर के तमंचे से पिंटू के सिर में गोली मार दी जिससे उसकी मौत हो गई।

हत्या के बाद आरोपी अभिषेक मौके पर बना रहा और शव मिलने पर वह पुलिस के साथ शव उठवाने में सहयोग भी करता रहा और मृतक के परिजनों को ढांढस भी बंधाता रहा ताकि उस पर किसी को शक ना हो सके। हालांकि पुलिस ने घटना के 48 घंटे के अंदर इस घटना का पर्दाफाश कर हत्या आरोपियों को जेल की सलाखों में भेज दिया है।

रामपुर के वायलिन की धुन पर झूम रहे देश दुनिया के संगीत प्रेमी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

रामपुर। रामपुर के वायलिन की धुन पर विदेशी झूम रहे हैं। रामपुर में बना वायलिन देश ही नहीं विदेश में भी धूम मचा रहा है। वायलिन कश्मीर और हिमाचल से फर्र की लकड़ी, कोलकाता से गज बो, तार, खूंटी, प्ले पीस, फिंगर बोर्ड, एंड पिन और साउंड के लिए जर्मनी की प्लाईवुड से वायलिन तैयार होते हैं।

रामपुरी वायलिन का इतिहास करीब 77 साल पुराना है। संगीत और काष्ठशिल्प के शौकीन अमीरुद्दीन और हसीनुद्दीन दोनों सगे भाइयों का हुनर देश दुनिया में सैकड़ों लोगों को रोजगार दे रहा है। कारीगर मुन्ना बताते हैं कि रामपुरी वायलिन का मुकाबला चायनीज वायलिन से है। कम कीमत के बावजूद चायना मार्केट को यहां का वायलिन टक्कर दे रहा है। चाइनीज वायलिन के मुकाबले रामपुरी वायलिन अधिक पसंद किया जाता है। क्योंकि, रामपुर में तैयार होने वाला वायलिन मजबूत होने के साथ-साथ साफ धुन निकालता है। चाइना के सापेक्ष रामपुर का वायलिन महंगा है लेकिन, संगीतकार रामपुरी वायलिन को खरीदने में दिलचस्पी दिखाते हैं। रामपुरी वायलिन की कीमत 2500 रुपये प्रति वायलिन से शुरू होती है यह कारखाने का रेट है।

मुख्यमंत्री योगी के हाथों सम्मानित हुए डीआईजी शैलेश कुमार पाण्डेय

डीआईजी शैलेश कुमार पाण्डेय की कार्यशैली प्रदेश में किसी भी व्यक्ति से छुपी नहीं है, वह जनता के लिए समर्पित रहते हैं

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

लखनऊ। देश के सबसे बड़े सूबे उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ पुलिस मुख्यालय सिग्नेचर बिल्डिंग में आयोजित राज्य स्तरीय वरिष्ठ पुलिस अधिकारी सम्मेलन वर्ष-2025 के द्वितीय दिवस के अवसर पर बेहतर सेवाओं के लिए पुलिस अधिकारियों को सम्माननीय किया गया।

प्रदेश सरकार की अपराधियों के प्रति चलाई गई जीरो टॉलरेंस मुहिम को शानदार तरीके से धार देकर बड़े-बड़े गुण्डो व माफियाओं के छक्के छुड़ा उन्हें सलाखों के पीछे पहुंचाने वाले,गरीबों और असहायों को को कानून का अहसास करा कर सुशासन का राज स्थापित करवाने वाले देश के संविधान और कानून को सर्वोपरि मानते हुए पूरी ईमानदारी एवं कर्तव्यनिष्ठा से जनता की सेवा करने वाले वर्ष-2011 बैंच के बेहद ईमानदार छवि के तेजतर्रार,

एनकाउंटर स्पेशलिस्ट, बहुचर्चित आईपीएस अफसर एवं आगरा रेंज के जनलोकप्रिय डीआईजी शैलेश कुमार पाण्डेय को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनके उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्यों को देखते हुए सम्मानित कर उनका हौसला अफजाई किया।डीआईजी शैलेश कुमार पाण्डेय की कार्यशैली प्रदेश में किसी भी व्यक्ति से छुपी नहीं है.इससे पहले अयोध्या,प्रयागराज,मथुरा,बरेली, जैनपुर,संभल,गोंडा,बागपत,बस्ती सहित प्रदेश के लगभग एक दर्जन से अधिक जनपदों में पुलिस कप्तानी करने के दौरान बड़े-बड़े अपराधियों को सलाखों के पीछे भेजने के साथ ही कानून का राज स्थापित करा चुके है।डीआईजी शैलेश कुमार पाण्डेय को यह पुरस्कार आगरा रेंज के सभी जनपदों में अपराध नियंत्रण के साथ शांति और कानून-व्यवस्था को बरकरार रखने के लिए दिया गया है।इस मौके पर प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद व पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण सहित प्रदेश के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे.

गुजरे कल

झांसी पुलिस के लिए उपलब्धि भरा रहा वर्ष-2025

सालभर में 48 मुठभेड़,56 शातिर हुए घायल

» मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग की कार्रवाई ने खोला बड़ा राज़

पकड़े जा चुके 111 बदमाश,53 करोड़ की सम्पत्ति कुर्क, ऑपरेशन लंगड़ा से बदमाश हुए पस्त

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

झांसी। एसएसपी बीबीजीटीएस मूर्ति ने जिस दिन से जनपद का कार्यभार संभाला है,उसी दिन से अपराधियों पर लगातार सख्त कार्रवाई हुई और फरियादियों की समस्याओं का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया गया.इसी कड़ी में बता दे कि गुजरते साल-2025 में पुलिस अपराधियों पर कहर बनकर टूटी। कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ करने वाले अपराधियों को पुलिस ने कानून का पाठ पढ़ाते हुए सबका सिखाया।पुलिस के शिकंजे से बचने के लिए कई बड़े माफिया और अपराधियों ने सरेंडर किया तो कुछ जान की भीख मांगते हुए नजर आए।

कई संगीन घटनाओं का पूरी

ईमानदारी से खुलासा कर पुलिस की छवि को बेहतर साबित किया। इसके लिए एडीजी कानपुर जोन आलोक सिंह व झांसी रेंज के आईजी आकाश कुलहरि का कुशल मार्गदर्शन एवं एसएसपी बीबीजीटीएस मूर्ति का शानदार नेतृत्व व थाना पुलिस तथा एसोआजी,सर्वेलेंस सैल टीमों का विशेष सहयोग रहा।सालभर में पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट में कार्रवाई करते हुए मात्र पांच प्रकरण में 52 करोड़ 81 लाख और 71 हजार रूपये की सम्पत्ति को कुर्क किया।जबकि गैंगस्टर एक्ट के दस मुकदमों में 52 शातिर अपराधियों के खिलाफ निरोधात्मक कार्रवाई की गई।वहीं कोर्ट में पुलिस ने मजबूत पैरवी करते हुए 780 अपराधियों को सजा कराई।सबसे बड़ा खुलासा 95 लाख की कीमत के 565 खोये हुए मोबाइल फोन की बरामदगी सुपुर्दगी शामिल है।इसके अलावा कई हाई प्रोफाइल जुआ खानो का फर्दाफाश करते फंड से 18 लाख 45 हजार रूपये बरामदा कर जुआरियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई।एसएसपी बीबीजीटीएस मूर्ति के नेतृत्व में हत्या,दुष्कर्म,लूट,चोरी,छनौती की घटनाओं को अंजाम देने वाले बदमाशों पर जिले की खाकी ने सबसे ज्यादा गोली चलाई है।पिछले एक साल के दौरान 48 बार बदमशों से मुठभेड़ हो चुकी है।जिसमें 56 शातिर बदमाश गोली लगने से घायल हुए।जबकि 111 को घेराबंदी कर पकड़ा गया है।मुठभेड़ के दौरान सभी बदमशों के पांव में गोली लगी।साल भर की घटनाओं में नाबालिक बच्चियों से दुष्कर्म करने वाले वहसी दरिंदो के खिलाफ ऑपरेशनल लंगड़ा के तहत नकेल कसी गई.

अयोध्या नगर निगम में चकबंदी अधिकारी की 'अघोषित सल्तनत'

- गुरु प्रसाद पांडेय चकबन्दी अधिकारी या नगर निगम के स्थायी साहब
- शासनादेश पर भारी, प्रतिनियुक्ति समाप्त पर नही छोड़ा पद

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। यह कहानी है उस फाइल की, जिस पर शासन के हस्ताक्षर हैं उस आदेश की, जिसे पढ़ा तो गया, पर माना नहीं गया और उस कुर्सी की, जो प्रतिनियुक्ति खत्म होने के बाद भी मलाई देती रही। अयोध्या नगर निगम में सहायक नगर आयुक्त के पद पर तैनात गुरु प्रसाद पाण्डेय बीते लगभग दो वर्षों से शासनादेश को ठेंगा दिखाकर जमे हुए हैं। उनका मूल पद है चकबंदी अधिकारी, लेकिन नगर निगम की सत्ता-गलियों में उनकी मौजूदगी बताती है कि यहाँ आदेश नहीं, सिफारिश चलती है।

बता दे कि नगर विकास अनुभाग, उत्तर प्रदेश शासन ने पत्रांक नव-4/2023, दिनांक 05 जुलाई 2023 को साफ-साफ आदेश दिया था नवीन भर्ती हो जाने के बाद प्रतिनियुक्ति पर तैनात सभी अधिकारियों को उनके मूल पद एवं मूल विभाग में वापस भेजा जाए।

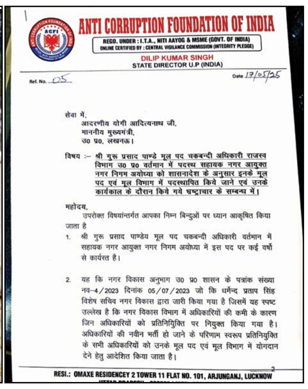
ANTI CORRUPTION FOUNDATION OF INDIA
REGD. UNDER : I.T.A., NITI AAYOG & MSME (GOVT. OF INDIA)
ONLINE CERTIFIED BY : CENTRAL VIGILANCE COMMISSION (INTEGRITY PLEDGE)
DILIP KUMAR SINGH
STATE DIRECTOR U.P (INDIA)

Ref. No. 05 Date 17/05/25

सेवा में,
आदरणीय योगी आदित्यनाथ जी,
माननीय मुख्यमंत्री,
उ0 प्र0, लखनऊ।

विषय :- श्री गुरू प्रसाद पाण्डे मूल पद चकबन्दी अधिकारी राजस्व विभाग उ0 प्र0 वर्तमान में पदस्थ सहायक नगर आयुक्त नगर निगम अयोध्या को शासनादेश के अनुसार इनके मूल पद एवं मूल विभाग में पदस्थापित किये जाने एवं उनके कार्यकाल के दौरान किये गये भ्रष्ट्राचार के सम्बन्ध में।

महोदय,
उपरोक्त विषयांन्तर्गत आपका निम्न बिन्दुओं पर ध्यान आकृषित किया जाता है

1. श्री गुरू प्रसाद पाण्डेय मूल पद चकबन्दी अधिकारी वर्तमान में सहायक नगर आयुक्त नगर निगम अयोध्या में इस पद पर कई वर्षो से कार्यरत है।

2. यह कि नगर विकास अनुभाग उ0 प्र0 शासन के पत्रांक संख्या नव–4/2023 दिनांक 05/07/2023 जो कि धर्मेन्द प्रताप सिंह विशेष सचिव नगर विकास द्वारा जारी किया गया है जिसमें यह स्पष्ट उल्लेख है कि नगर विकास विभाग में अधिकारियों की कमी के कारण जिन अधिकारियों को प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त किया गया है। अधिकारियों की नवीन भर्ती हो जाने के परिणाम स्वरूप प्रतिनियुक्ति के सभी अधिकारियों को उनके मूल पद एवं मूल विभाग में योगदान देने हेतु आदेशित किया जाता है।

RESI.: OMAXE RESIDENCEY 2 TOWER 11 FLAT NO. 101, ARJUNGANJ, LUCKNOW

प्रदेश भर में अफसर लौटे, फाइलें चलीं, आदेश माने गए लेकिन अयोध्या नगर निगम में शासनादेश दरवाजे के बाहर ही खड़ा रह गया।

अंदर कुर्सी पर वही अधिकारी, वही फाइलें और वही रौब। सबसे बड़ा सवाल जब प्रतिनियुक्ति समाप्त हो चुकी है, तो वापसी क्यों नहीं? इस सवाल का जवाब न तो नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार के पास है न ही सहायक नगर आयुक्त गुरु प्रसाद पाण्डेय के पास, दोनों ही फोन रिसीव नहीं करते। यानि सवालों के सामने सिस्टम की सबसे पुरानी बीमारी खामोशी।

मामला यहीं खत्म नहीं होता। एन्टी करप्शन फाउंडेशन ऑफ इंडिया के यूपी स्टेट डायरेक्टर दिलीप कुमार सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से लेकर प्रमुख सचिव नगर विकास तक सीधी शिकायत भेज दी है। शिकायत में आरोप हैं कि स्वच्छ भारत मिशन के नाम पर करोड़ों रुपये के वाहन

बिना तकनीकी अभियंता के सत्यापन तथाकथित समिति बनाकर खरीदे गए रोड स्वीपिंग मशीनें बाजार कीमत से कई गुना महंगी खरीदी गईं टेंडरों को बिना कारण बार-बार निरस्त कर अपने लोगों को फायदा पहुंचाया गया नतीजा सरकारी खजाने को भारी नुकसान, और सवालों के घेरे में पूरा नगर निगम तंत्र।

शिकायत में यह सवाल भी उठाया गया है कि क्या किसी एक अधिकारी की हैसियत इतनी होती है कि वह शासनादेश को सालों तक रद्दी की तरह टांग दे या फिर ऊपर से नीचे तक कोई अदृश्य छतरी तनी हुई है? एन्टी करप्शन फाउंडेशन की मांग है की गुरु प्रसाद पाण्डेय को तत्काल मूल विभाग में वापस भेजा जाए

प्रतिनियुक्ति अवधि में हुए कथित भ्रष्टाचार की मजिस्ट्रेटी जांच कराई जाए। यह सिर्फ एक अधिकारी की कहानी नहीं है।

यह उस सिस्टम का एक्स-रे है, जहाँ शासनादेश फाइलों में दम तोड़ देते हैं सिफारिशें कुर्सियों को अमर बना देती हैं और जवाबदेही रिंग नॉट रिसीव्ड हो जाती है। अब देखना यह है कि योगी सरकार की 'जीरो टॉलरेंस' नीति अयोध्या नगर निगम की इस चुप्पी को तोड़ पाएगी या फिर यह फाइल भी सिस्टम के कब्रिस्तान में दफन हो जाएगी।

रामनगरी में नगर विकास का महामंथन

- अयोध्या में पहली बार महापौर सम्मेलन, नवाचार, आय–पर्यावरण पर हुई चर्चा

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। रामनगरी अयोध्या रविवार को शहरी विकास के राष्ट्रीय विमर्श का केंद्र बनी, जब यहां पहली बार महापौर सम्मेलन का आयोजन हुआ। दीप प्रज्वलन के साथ शुरू हुए इस ऐतिहासिक सम्मेलन में प्रदेश भर से पहुंचे महापौरों का स्मृति चिह्न, शाल और रामायण भेंट कर पारंपरिक स्वागत किया गया।

सम्मेलन की शुरुआत अयोध्या की महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी के स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने कहा कि अयोध्या केवल धार्मिक नगरी ही नहीं, बल्कि शहरी नवाचार और सुशासन का भी मॉडल बन रही है। सम्मेलन में नगर निगमों के आय स्रोत बढ़ाने, स्मार्ट सिटी मॉडल, पर्यावरण संरक्षण और तकनीकी नवाचार जैसे मुद्दों पर गहन चर्चा हुई।

बरेली के महापौर उमेश गौतम ने कहा कि हर नगर निगम को सबसे पहले अपनी आय बढ़ाने की दिशा में ठोस कदम उठाने चाहिए।

लखनऊ की महापौर सुषमा खरकवाल ने स्मार्ट सिटी के अनुभव साझा करते हुए बताया कि जहां कभी कई मीट्रिक टन कूड़ा जमा था, वहां आज प्रेरणा स्थल विकसित किया गया है। लखनऊ नगर निगम में अधिकांश वाहन ईवी (इलेक्ट्रिक व्हीकल) हैं और विकास से जुड़े कई प्रोजेक्ट तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।

सम्मेलन में महापौरों ने अपने-अपने शहरों के सफल प्रयोग साझा किए और इस बात पर सहमति जताई कि आने वाला समय तकनीक, पर्यावरण और वित्तीय आत्मनिर्भरता के संतुलन का है। रामनगरी में हुआ यह सम्मेलन प्रदेश के नगर निगमों के लिए नई दिशा और नई सोच का संकेत बनकर उभरा।

राम मंदिर बनना सौभाग्य, मोदी–योगी ने रचा इतिहास

- कानपुर की महापौर प्रमिला पांडेय ने भारत माता के जयकारे के साथ अपने संबोधन की शुरुआत की। उन्होंने कहा, "हमारे पूर्वज 400–500 वर्षों से राम मंदिर बनने की प्रतीक्षा कर रहे थे, लेकिन वे इसे बनते नहीं देख पाए। हम लोग नारे लगाते-लगाते थक गए थे 'रामलला आएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे।' आज यह हमारा सौभाग्य है कि हम मंदिर के दर्शन कर पा रहे हैं। मैं कल ही दर्शन करके आई हूं, जो सुख वहां मिला, वैसा और कहीं नहीं। मोदी और योगी ने राम मंदिर बनवाकर ऐसा इतिहास रचा है, जो पहले कभी नहीं हुआ।

स्वच्छ भारत एक कदम स्वच्छता की ओर
कार्यालय नगर निगम, अयोध्या
स्वच्छ भारत एक कदम स्वच्छता की ओर

मा० योगी आदित्यनाथ जी
मुख्यमंत्री उ. प्र.

मा० श्री ए०के०शर्मा जी
नगर विकास मंत्री उ.प्र.

मा० गिरीश पति त्रिपाठी जी
महापौर, नगर निगम, अयोध्या

स्वराज इंडिया दैनिक समाचार पत्र को स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

नगर वासियों से विशेष आग्रह

1. कृपया नगर निगम की सफाई व्यवस्था में सहयोग करें व सफाई के उपरान्त कूड़ा सड़को पर न फेकें।
2. पर्यावरण को स्वच्छ एवं सुन्दर रखने हेतु अपने आस पास वृक्षारोपण अवश्य करें व लगाये गये वृक्षों का संरक्षण करें।
3. डोर टू डोर कलेक्शन के द्वारा घरों से निगम द्वारा कूड़ा एकत्र कराया जा रहा है। कृपया समस्त कूड़ा सफाई मित्र को ही दें, कूड़ा अन्यत्र न फेंके।
4. अयोध्या को पॉलीथीन मुक्त बनाने में सहयोग प्रदान करें ।
5. निर्माण का मलबा या इस प्रकार की वस्तुएं सड़कों के किनारे एकत्र न करें। यह सफाई में बाधा है, जुर्माने से दण्डनीय भी है।
6. पॉलीथीन का प्रयोग न करें, यह प्रकृति, पर्यावरण एवं स्वयं आपके लिए सर्वाधिक घातक है।
7. गृहकर जलकर का भुगतान समय से करके अपने नागरिक दायित्व का निर्वहन करें व नगर के विकास में अपना अमूल्य योगदान दें।

आइये इस ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बनें

पार्षदगण
नगर निगम, अयोध्या

जयेन्द्र कुमार
नगर आयुक्त, नगर निगम, अयोध्या

मा० गिरीश पति त्रिपाठी
महापौर, नगर निगम, अयोध्या

एमबीबीएस से माओवादी डॉक्टर तक रफीक की दहला देने वाली फाइल खुली

एमबीबीएस डिग्रीधारी मंदीप बना 'डॉ. रफीक', 2016 से एजेंसियों की नजरों से गायब

मुख्य संवाददाता/स्वराज इंडिया

- जंगल में टॉर्च की रोशनी में ऑपरेशन, गोली निकालकर कई जिंदगियां बचाईं

नई दिल्ली। दंडकारण्य के घने जंगलों में कभी माओवादी शिविरों के बीच टॉर्च की रोशनी में ऑपरेशन होते थे, जहां एक रहस्यमयी डॉक्टर घायल नक्सलियों को नई जिंदगी देता था। सीने में धंसी गोलियां निकालने से लेकर गंभीर जख्मों का उपचार करने वाले इस गुमनाम डॉक्टर को स्थानीय लोगों ने 'डॉ. रफीक' नाम दिया। लंबे समय तक खुफिया एजेंसियों के पास भी इसकी पहचान धुंधली रही, लेकिन आत्मसमर्पण कर चुके माओवादियों के ताज़ा खुलासों ने इस पर्दे को थोड़ा हटाया है।

जानकारी के मुताबिक 'डॉ. रफीक' का वास्तविक नाम मंदीप है, जिसने पंजाब से एमबीबीएस किया था और वह संगठन से जुड़ा सबसे उच्च शिक्षा प्राप्त कैडर था।पूर्व माओवादी एम वेंकटराजु उर्फ सीएनएन चंदू के अनुसार, डॉ. रफीक ने दंडकारण्य क्षेत्र में न केवल माओवादी कमांडरों बल्कि स्थानीय ग्रामीणों का भी इलाज किया। उसने गोली लगने, गहरे घाव, मलेरिया, गैस्ट्रोएंटेराइटिस और सांप के काटने तक के उपचार किए। इतना ही नहीं, उसने कई माओवादियों और ग्रामीणों को टांके लगाने, प्राथमिक उपचार और गोली निकालने की ट्रेनिंग भी दी। खुफिया एजेंसियों का दावा है कि 2016 में वह दंडकारण्य से झारखंड चला गया और तब से उसकी कोई स्पष्ट लोकेशन नहीं मिल पाई है। बताया जाता है कि उसने कुख्यात माओवादी कमांडर प्रशांत बोस का इलाज भी किया था। स्थानीय लोग उसे भगवान की तरह मानते थे और दूर-दराज के क्षेत्र से इलाज के लिए सिर्फ उसी के पास आते थे। 'डॉ. रफीक' अब भी फरार है और जांच एजेंसियां उसकी तलाश में जुटी हुई हैं।

एसडीओ की बोलेरो पर पलटा भूसे से लदा ट्रक, ड्राइवर की मौत

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

- डिवाइडर से टकराकर अनियंत्रित हुआ ट्रक, घटना सीसीटीवी में कैद

रामपुर। जिले के सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के बिलासपुर रोड पर रविवार शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे ने सबको दहला दिया। भूसे से लदा तेज रफ्तार ट्रक डिवाइडर से टकराने के बाद अनियंत्रित होकर एसडीओ की बोलेरो पर पलट गया। हादसे का पूरा दृश्य नजदीकी सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

जानकारी के अनुसार, ट्रक बिलासपुर की ओर जा रहा था। इसी दौरान बायीं ओर से आई बोलेरो को बचाने के प्रयास में चालक ने ट्रक को मोडने का प्रयास किया, लेकिन ट्रक डिवाइडर पर चढ़ गया और उसी बोलेरो पर पलट गया, जिसे बचाने की कोशिश की जा रही थी। ट्रक के नीचे दबते ही बोलेरो पूरी तरह चकनाचूर हो गई, जबकि उसके चालक की मौके पर ही मौत हो गई। मृत चालक की पहचान गंज थाना क्षेत्र के गुर्जर टोला निवासी फिरासत के रूप में हुई है, जो बिजली विभाग के खौद बिजलीघर में तैनात एसडीओ का चालक बताया गया है। हादसे के दौरान बोलेरो के साथ चल रहे बाइक सवार और एक राहगीर बाल-बाल बच गए। हादसे की सूचना मिलते ही गंज, शहर कोतवाली और सिविल लाइंस पुलिस मौके पर पहुंच गई।

सुरक्षा के तहत रामपुर-बिलासपुर हाईवे को अस्थायी रूप से बंद कर वाहनों को डायवर्ट किया गया। ट्रक को हटाने के लिए चार क्रेन मंगाई गईं और करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद ट्रक को सड़क से हटाया जा सका। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाकर मामले की जांच शुरू कर दी है। एसपी विद्या सागर ने पुष्टि की है कि हादसे में बोलेरो चालक की मौत हुई है और घटना के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

लखनऊ से लेकर दिल्ली तक आम से खास की लूट की फितरत उजागर

सरकारी संपत्ति पर 'डाका'

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। यह महज़ चोरी की एक घटना नहीं, बल्कि भारत की उस मानसिकता का आईना है, जिसमें सरकारी संपत्ति को 'किसी की नहीं' समझ लिया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लखनऊ दौरे के दौरान राष्ट्रीय प्रेरणा स्थल के उद्घाटन के बाद सजावट में लगाए गए करीब 6 हजार गमलों का गायब हो जाना इसी कड़वी सच्चाई को उजागर करता है। कार्यक्रम खत्म होते ही लग्जरी कारों, स्कूटरों और ठेलों पर लोग गमले लादकर फरार होते दिखे। वायरल वीडियो में एक पुलिसकर्मी तक को वॉटर कूलर और खाली जार ले जाते देखा गया, जिसने व्यवस्था और नैतिकता दोनों पर सवाल खड़े कर दिए।

शहर की सड़कों और पार्कों को फूलों से सजाने के लिए लगाए गए ये गमले कुछ ही घंटों में लूट लिए गए। अमीर-गरीब का फर्क मिट गया—हर वर्ग इसमें शरीक दिखा। अनुमान है कि 30 से 60 लाख रुपये का नुकसान हुआ है। यह घटना सिर्फ लखनऊ तक सीमित नहीं, बल्कि पूरे देश में फैली एक बीमारी का लक्षण है।

दिल्ली में जी-20 शिखर सम्मेलन के बाद भी यही नज़ारा दिखा, गमले, बैनर, सजावटी लाइटें गायब। सोशल मीडिया पर सरकारी वाहनों से सामान लादते वीडियो वायरल हुए। कुछ पकड़े गए, ज़्यादातर बच निकले। जिसमें मुंबई, कोलकाता, चेन्नई—राष्ट्रीय फितरत की तस्वीर, मुंबई में अंतरराष्ट्रीय आयोजनों के स्वागत में लगे गमले और बैंडस्टैंड रातोंरात गायब हुए। कोलकाता में दुर्गा पूजा पंडालों के लिए लगाए गए सरकारी लाइट और साउंड सिस्टम चोरी हो गए। चेन्नई में प्रधानमंत्री के दौरे के बाद सजावट के गमले चोरी हुए यहां तक कि एक विधायक का बेटा भी लग्जरी स्कू में गमले लादते पकड़ा गया। यह साफ करता है कि समस्या क्षेत्रीय नहीं, राष्ट्रीय है।

डिफेंस एक्सपो, कुंभ और जी-20—हर मंच पर वही कहानी

लखनऊ में पहले हुए डिफेंस एक्सपो के दौरान टेंट, कुर्सियां, बल्ब और सजावटी सामग्री चोरी हो चुकी है। तब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चोरों की तस्वीरें सार्वजनिक करने की चेतावनी दी थी। लेकिन हालात बदले नहीं। प्रयागराज कुंभ मेले में करोड़ों श्रद्धालुओं के लिए लगाए गए टेंट, शौचालय, पंडाल, कुर्सियां और जनरेटर तक गायब हो गए। प्रशासन ने केस दर्ज किए, पर सज़ा नदारद रही। आज़ादी के बाद भी यह समस्या नई नहीं। कभी इंडिया गेट के बल्ब चोरी होते थे, आज गमले। गांधी जी ने कहा था—सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा राष्ट्रभक्ति है। लखनऊ की घटना एक चेतावनी है। अगर अब भी नहीं चेते, तो विकास पर खर्च हर रुपया यूं ही लुटता रहेगा। इसके लिए यह संकल्प जरूरी है क चिोरी नहीं, संरक्षण। तभी बनेगा सच्चा विकसित भारत।

लूट में नेता और अफसर भी पीछे नहीं

- सरकारी संपत्ति पर हाथ साफ करने की फितरत आम जनता तक सीमित नहीं। सत्ता और पद छोड़ते वक्त नेता और अधिकारी भी सरकारी आवासों से टोटियां, टाइल्स, सोफा, फ्रिज, टीवी, एसी तक उठा ले जाने के आरोपों में घिरे हैं। 2017 में मुख्यमंत्री आवास खाली करने पर अखिलेश यादव पर टोटियां निकालने का आरोप लगा, जो राजनीतिक विवाद बना। बिहार में तेजस्वी यादव के बंगले से फर्नीचर और उपकरण गायब होने का दावा हुआ। दिल्ली में मनीष सिसोदिया के कार्यालय से सैकड़ों कुर्सियां और उपकरण गायब मिलने की बात सामने आई। ऐसे कई मामले सार्वजनिक संपत्ति के दुरुपयोग की गवाही देते हैं। क्यों कमजोर पड़ी 'सरकारी संपत्ति मेरी संपत्ति' की भावना? विशेषज्ञ मानते हैं कि इसके पीछे कई कारण हैं लालच और अवसरवादिता (गरीब ही नहीं, अमीर भी शामिल), नैतिक पतन और 'फ्री में लो' संस्कृति, प्रशासनिक ढिलाई—कार्यक्रम खत्म होते ही सुरक्षा हट जाती है, राजनीतिक संस्कृति—सजावट को अस्थायी शोपीस समझना, कानूनी कमजोरी सज़ा का डर न होना